A Daily News Magazine
भोपाल
बुधवार, 22 जनवरी, 2025

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-143 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

रक्षा तैयारियां : सबसे पहले थिएटर कमांड का गठन जरूरी

ले. जनरल प्रकाश मेनन (रि)

भारत के राजनीतिक नेतृत्व को स्वीकार करना पड़ेगा कि खासकर टेक्नोलॉजी के मामले में तेज़ी से बदलती इस दुनिया में प्रतिरक्षा की तैयारी का तकाज़ा यह है कि इसके लिए जीडीपी के 2 प्रतिशत से ज्यादा के बराबर बजट देना पड़ेगा। रक्षा मंत्रालय (एमओडी) ने घोषणा की है कि 2025 'सुधारों का साल' होगा। उसने जो प्रेस विज्ञप्ति जारी की है, उसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का यह बयान उद्धृत किया गया है - 'सुधारों का साल' सेनाओं के आधुनिकीकरण के सफर में बड़ी छलांग साबित होगा और यह प्रतिरक्षा संबंधी तैयारियों में अभूतपूर्व प्रगति की नींव डालेगा', लेकिन इस प्रेस विज्ञप्ति में जिन नौ व्यापक क्षेत्रों का ज़िक्र किया गया है, वह कोई नई चीज़ नहीं प्रस्तुत करते। क्योंकि उनमें से अधिकतर चीजें एमओडी के रेडार पर लंबे समय से मौजूद हैं। एकमात्र नई चीज़ वह भी आंशिक तौर पर, अंत यह कही गई है - 'हमें भारतीय संस्कृति तथा विचारों पर गौरव की भावना जगानी चाहिए।'

प्रेस विज्ञप्ति में जिस चीज़ को 'बड़ी छलांग' जैसा माना जा सकता है वह यह है - 'सुधारों का लक्ष्य पहल के मामलों में संयुक्तता तथा एकता को बढ़ावा देना और 'इंटीग्रेटेड थिएटर कमांड्स' की स्थापना को आसान बनाना होना चाहिए।' यह दिलचस्प वाक्य यह आभास कराता है कि 'इंटीग्रेटेड थिएटर कमांड्स' (आईटीसी) की स्थापना से संयुक्तता तथा एकता को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इसके विपरीत, हमारे वर्तमान कमांड ढांचे को आइटीसी में पुनर्गठित करने का मकसद संयुक्तता तथा एकता को बढ़ावा देना है। यानी पुनर्गठन एक मकसद को हासिल करने का साधन है।

आईटीसी के गठन के बारे में राजनीतिक फैसले किए पांच साल बीत चुके हैं। इस पर अमल में इतनी देरी स्वीकार नहीं की जा सकती, लेकिन निर्णय प्रक्रिया में खलल दिसंबर 2021 में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत दुखद असामयिक निधन के कारण पड़ा। इसके बाद, वर्तमान सीडीएस जनरल अनिल चौहान की नियुक्ति में नौ महीने की देरी हुई। इस देरी के लिए निश्चित ही राजनीतिक नेतृत्व को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

वैसे, आईटीसी के गठन का फैसला करने का श्रेय राजनीतिक नेतृत्व को ही जाता है। इस पर तीनों सेनाएं एकमत नहीं थीं। वायुसेना इसकी प्रमुख विरोधी थी, लेकिन जब राजनीतिक फैसला कर लिया गया तब सेनाओं को इसे लागू करने के सिवा दूसरा कोई विकल्प नहीं बचा। इसलिए हैरानी की बात यह है कि एमओडी ने अपने ही फैसले को लागू करवाने की पर्याप्त कोशिश नहीं की। एमओडी अब न तो यह कह सकता है और न उसे यह कहना चाहिए कि यह पुनर्गठन करने का पूरा जिम्मा तीनों सेनाओं का ही था। अगर ऐसा होता तो यह फैसला कभी होता ही नहीं और होता भी तो यह पुनर्गठन मात्र दिखावा होता जिसमें किसी एक सेना के संकीर्ण हितों की रक्षा की जाती और संयुक्तता तथा एकता हासिल करने के लक्ष्य की बलि चढ़ा दी जाती। उम्मीद की जाती है कि रक्षा क्षेत्र में सुधारों के मामले में 2025 को 'गौरवशाली वर्ष' बनाने की कोशिश के साथ आईटीसी का गठन सेनाओं के बीच के विवादों के बीच हासिल न्यूनतम उपलब्धि बनकर नहीं रह जाएगा।

टेक्नोलॉजी और रक्षा औजारों के अधिग्रहण के आपस में जुड़े मसले दूसरे उन क्षेत्रों से भी जुड़े हैं जिन पर ज़ोर दिया जाना है। एमओडी ने 2021 में ही 'रिफॉर्म्स इन डिफेंस सेक्टरः प्रोपेलिंग प्राइवेट सेक्टर पार्टीसिपेशन' नामक एक फैक्ट शीट प्रकाशित की थी। इसमें 2014 में भाजपा सरकार के बाद से एमओडी की उपलब्धियों और प्रगति का लेखाजोखा दिया गया था। इसमें इन आठ खंडों को शामिल किया गया था : रक्षा मामलों के लिए घरेलू खरीद का हिस्सा, महत्वपूर्ण टेक्नोलॉजी तक पहुंच, निवेश को प्रोत्साहन, देसीकरण को बढ़ावा, विश्व बाजार की टोह, डिजाइन और विकास की क्षमताओं का उपयोग, व्यापार और प्रदर्शन को आसान बनाना, और विस्तार के कार्यक्रम।

इसमें संदेह नहीं है कि रक्षा मामलों में अधिग्रहण की व्यवस्था के विभिन्न दायरों में बड़ी संख्या में पहल की गई है और की जा रही है। इनमें अमेरिका जैसे मित्र देशों से महत्वपूर्ण टेक्नोलॉजी हासिल करने की कोशिशें शामिल हैं। देश के अंदर स्टार्टअप की क्षमताओं पर भी ध्यान दिया गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की उत्पादन इकाइयों में सुधार भी किए जा रहे हैं। लेकिन पूरी रक्षा व्यवस्था में सार्वजनिक क्षेत्र को तरजीह देने की प्रवृत्ति पर रोक लगाकर निजी क्षेत्र को समान अवसर देने की काफी गुंजाइश बाकी है।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) में सुधारों के लिए गठित के. विजय राघवन कमिटी ने जनवरी 2024 में अपनी रिपोर्ट दे दी थी। उसमें डिफेंस टेक्नोलॉजी के मामले में निर्णय प्रक्रिया में भारी परिवर्तन करने, डीआरडीओ का पुनर्गठन करने, और निजी क्षेत्र तथा शिक्षा क्षेत्र को बड़ी भूमिका देने की सिफ़ारिशें की गई हैं। उस रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया गया और उसे 31 अगस्त 2024 तक लागू करने की समयसीमा तय की गई थी, लेकिन मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, डीआरडीओ की कई बैठकों और कदमों के बावजूद बड़े अधिकारियों के प्रतिरोध की वजह से कोई बड़ा पुनर्गठन नहीं किया जा सका है। उम्मीद की जाती है कि इन प्रतिरोधों को 2025 में शांत किया जा सकेगा।

रक्षा सुधारों की जो कई पहल की गई हैं उन्हें अतिरिक्त बजटीय समर्थन नहीं दिया गया, जो कि मंशाओं और विचारों को सेनाओं के उपयोग लायक उत्पादों में तब्दील करने के लिए अनिवार्य होते हैं। भारत के राजनीतिक नेतृत्व को इस वास्तविकता को स्वीकार करना पड़ेगा कि खासकर टेक्नोलॉजी के मामले में तेजी से बदलती इस दुनिया में प्रतिरक्षा की तैयारी का तकाजा यह है कि इसके लिए जीडीपी के 2 प्रतिशत से ज्यादा के बराबर बजट देना पड़ेगा, जबकि रक्षा बजट को इसी सीमा में बांधकर रखा जाता रहा है। हकीकत यह है कि महंगाई और रुपये की घटती कीमत के कारण इस बजट का वास्तविक मूल्य कम ही रह जाता है।

अब देखना यह है कि 1 फरवरी 2025 को जब केंद्रीय बजट पेश किया जाता है तब एमओडी के बड़े मंसूबों के लिए जरूरी फंड आवंटित किया जाता है या नहीं। अगर ऐसा नहीं होता और आगे के वर्षों में भी समर्थन नहीं मिलता तब भावी इतिहासकार भारत में रक्षा क्षेत्र के आधुनिकीकरण के अंतहीन सफर में वर्ष 2025 को 'गौरवशाली वर्ष' के रूप में नहीं चिन्हित कर पाएंगे।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

छत्तीसगढ़ में बड़ा एनकाउंटर

27 नक्सली ढेर

- 16 के शव मिले, 1 करोड़ का ईनामी भी मारा गया
- 60 को घेरा, ड्रोन से देखकर निशाना लगा रही फोर्स

गरियाबंद (एजेंसी) छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में फोर्स ने 27 नक्सलियों का एनकाउंटर कर दिया है। इनमें से 16 के शव और हथियार मिल चुके हैं। इनमें 1 करोड़ का इनामी जयराम उर्फ चलपति भी मारा गया है। रविवार की रात मुठभेड़ शुरू हुई। मंगलवार की सुबह नक्सलियों को मारने की बड़ी खबर आई। मुठभेड़ अभी खत्म नहीं हुई है। जवानों की कामयाबी पर केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने कहा कि देश में नक्सलवाद अपनी आखिरी सांसें गिन रहा है। छत्तीसगढ़-ओडिशा बॉर्डर पर स्थित भालू डिग्गी के जंगल में 1000 जवानों ने करीब 60 नक्सलियों को घेर रखा है। बैकअप पार्टी भेजी गई है और ड्रोन से नजर रखी जा रही है। पहले फोर्स का 15-20 किमी का घेरा था, अब नक्सली 3 किमी में सिमट गए हैं। सभी 60 नक्सलियों के मारे जाने की संभावना है। वहीं, एक जवान घायल हुआ हैं, जिसे एयरलिफ्ट करके रायपुर लाया गया। एसओजी (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) जवान के पैर में गोली लगी है। गरियाबंद एसपी निखिल राखेचा, ओडिशा के नुआपाड़ा एसपी राघवेंद्र गूंडाला, ओडिशा आईजी नक्सल ऑपरेशन अखिलेश्वर सिंह और कोबरा कमांडेंट डीएस कथैत ऑपरेशन की मॉनीटरिंग कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ और ओडिशा की ओर से जॉइंट ऑपरेशन चलाया गया था। इसमें 10 टीमें एक साथ निकली थीं। 3 टीम ओडिशा से, 2 टीम छत्तीसगढ़ पुलिस से और 5 सीआरपीएफ टीम इस ऑपरेशन में शामिल थीं। जवान क्षेत्र में सर्चिंग अभियान पर निकले थे।

सेना के स्वागत समारोह में शामिल हुए राष्ट्रपति ट्रम्प

- तलवार लेकर नाचे, मेलानिया के साथ कपल डांस भी किया

वाशिंगटन (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रम्प राष्ट्रपति पद की लेने के बाद सेना के कमांडर-इन-चीफ स्वागत समारोह में शामिल हुए। इस दौरान ट्रम्प तलवार लेकर नाचते हुए नजर आए। उन्होंने तलवार से केक भी काटा। ट्रम्प की पत्नी और फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रम्प भी उनके साथ पहुंचीं। मंच पर पहुंचने के बाद दोनों ने डांस भी किया। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी पत्नी ऊषा वेंस भी इस कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। यहां तीन कार्यक्रम लिबर्टी बॉल, कमांडर-इन-चीफ बॉल और स्टारलाइट बॉल हुए। लिबर्टी बॉल के दौरान ट्रम्प ने सभी सैन्य कर्मियों को धन्यवाद दिया। अपने भाषण में ट्रम्प ने कहा, आज हम अपने गौरवशाली गणराज्य की शक्ति का जश्न मनाते हैं। इसलिए यह बेहद जरूरी है कि हम उन पुरुषों और महिलाओं का भी सम्मान करें जो हमें सुरक्षित रखते हैं। ट्रम्प ने कहा-आपकी बहादुरी हमें प्रेरित करती है, आपकी सेवा हमें एकजुट करती है, और आपका बलिदान और भावना हम सभी की रक्षा करती है। ट्रम्प ने 78 फैसले पलट दिए हैं।

अमर शहीद हेमू कालाणी की प्रतिमा पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया माल्यार्पण

उज्जैन सहित प्रदेश के अन्य धार्मिक नगरों में की जाएगी पूर्ण शराब बंदी : मुख्यमंत्री

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को उज्जैन की सिंधी कॉलोनी स्थित क्रांतिकारी और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अमर शहीद हेमू कालाणी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने अवसर पर कहा कि आज अमर शहीद हेमू कॉलोनी का बलिदान दिवस है। उन्होंने मात्र 19 वर्ष की उम्र में स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हेमू कालाणी सहित अन्य क्रांतिकारियों के अथक प्रयासों से लगभग एक हजार साल का गुलामी का काल खत्म हुआ। हर शताब्दी में भारत माता की गोद में विदेशी आक्रांताओं से लड़ने वाले वीर शहीदों ने जन्म लेकर भारतीय संस्कृति की रक्षा कर जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी को चरितार्थ किया है। अंग्रेजी आक्रांताओं ने भारत से धन लूटा। हमारे अमर शहीदों ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर अंग्रेजों को देश से भगाकर इस लूट को रोका था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पृथ्वीराज चौहान (1192) से 1947 तक हमारे देश का इतिहास निरंतर वीर शहीदों और शूरवीरों से सुसज्जित रहा है। महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी महाराज, गोंड साम्राज्य, बाजीराव पेशवा, सिंधिया साम्राज्य, होलकर साम्राज्य सहित अन्य साम्राज्यों ने विदेशी आक्रांताओं से निरंतर लड़ाई लड़ी। मुगल और अन्य विदेशी आक्रमणकारियों ने हमारे मंदिरों एवं संस्कृति पर निरंतर आक्रमण किए। हमने अपने बाहुबल से इन घटनाओं का समयोचित तरीके से उत्तर सनातन संस्कृति तथा श्री चिंतामण गणेश, बड़ा गणपति महाराज, श्री कालभैरव, श्री मंगलनाथ महाराज और श्री सिद्धनाथ महाराज देवस्थानों को पुर्नस्थापित कर दिया।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस न पहुंचे इसके लिए उज्जैन सहित प्रदेश के अन्य धार्मिक नगरों में जल्द ही पूर्ण शराब बंदी की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा संपूर्ण ध्यान धार्मिक, प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन को प्रदेश में बढ़ावा देने पर है। इससे प्रदेशवासियों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे और प्रदेश का चहुँमुखी विकास होगा।

अमर शहीद हेमू कालाणी- भारत माता के वीर सपूत

हेमू कालाणी एक ऐसे क्रांतिकारी थे जिन्होंने भारत की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। सिंध के सुक्कुर में जन्मे हेमू कालाणी ने बहुत कम उम्र में ही देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत होकर अंग्रेजी शासन के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने बचपन से ही विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार कर स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का आग्रह लोगों से किया। वर्ष 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। हेमू कालाणी और उनके साथियों ने अंग्रेजी सेना के खिलाफ कई साहसिक कार्य किए। उन्होंने हथियारों से भरी रेलगाड़ी को पटरी से उतारने की योजना बनाई। इस पर अंग्रेजी सरकार ने हेमू कालाणी को गिरफ्तार कर लिया और उन्हें फांसी की सजा सुनाई।

इस दौरान विधायक श्री अनिल जैन कालूहेडा, महापौर श्री मुकेश टटवाल, सभापति श्रीमती कलावती यादव सहित जन-प्रतिनिधि और नागरिक उपस्थित थे।

सुप्रभात

अमीरे शहर को तलवार करने वाला हूँ
मैं जी-हुजूरी से इन्कार करने वाला हूँ
कहो अँधेरे से दामन समेट ले अपना
मैं जुगनुओं को अलमदार करने वाला हूँ
तुम अपने शहर के हालात जान सकते हो
मैं अपने चेहरे को अख़बार करने वाला हूँ
मैं चाहता था कि भाई का साथ छूट न जाए
मगर वो समझा कि मैं वार करने वाला हूँ
बदन का कोई भी हिस्सा ख़रीद सकते हो
मैं अपने जिस्म को बाज़ार करने वाला हूँ
तुम अपनी आँखों से सुनना मेरी कहानी को
लबे ख़मोश से इज़हार करने वाला हूँ
हमारी राह में हायल कोई नहीं होगा
तू एक दरिया है मैं पार करने वाला हूँ।

- मुनव्वर राना

महाकुंभ विशेष

अजब और गजब हैं महाकुंभ में आए हठी बाबाओं की कहानियां

कोई 32 साल से नहाया नहीं तो कोई कांटों पर लेटा

प्रयागराज (एजेंसी)। एक बाबा हैं गंगापुरी महाराज। उम्र 57 साल और हाइट महज 3 फीट और 8 इंच। हाइट की वजह से लोग उन्हें लिलिपुट बाबा कहते हैं। बाबा ने 32 सालों से स्नान नहीं किया है। ये उनका हठयोग है। वे अपने पैरों में खड़ाऊ और नाक के बीच में बाली पहनते हैं। लंबे समय तक श्मशान में साधना भी कर चुके हैं। गंगापुरी असम के रहने वाले हैं और खुद को जूना अखाड़े का साधु बताते हैं। हालांकि, वे अखाड़े से अलग एक छोटी कुटिया में रहते हैं।

9 साल से हाथ ऊपर ही रखा है, एक फुट से ज्यादा बढ़े हो गए हैं नाखून

हठयोगी नागा संन्यासी महाकाल गिरि ने पिछले 9 सालों से अपने बाएं हाथ को ऊपर उठा रखा है। उनकी उंगलियों के नाखून कई इंच तक लंबे हो गए हैं। उनका दावा है कि उन्होंने अपने हाथ में शिवलिंग बना रखा है। इस हठयोग को ऊर्धबाहु कहा जाता है। गिरि अपने सभी काम एक हाथ से ही करते हैं। एक हाथ से ही उन्होंने कुटिया के बाहर रेत से शिवलिंग बना रखा है। वे रोटी भी एक हाथ से बना लेते हैं। कहते हैं- 'अब इस तरह रहने की आदत पड़ गई है। वहीं रमेश कुमार कांटे वाले बाबा नाम से मशहूर हैं। बाबा कांटे पर अपना आसन लगाकर रहते हैं। कांटों पर ही वे सो भी जाते हैं। उनके लिए कांटा ही बिस्तर है। वे पिछले 35 सालों तक इसी तरह से साधना करते हुए आ रहे हैं। अब उन्हें इसकी आदत पड़ गई है। बाबा का जन्म प्रयागराज के एक छोटे से गांव में हुआ था। 1990 में जब अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए देशभर में आंदोलन हो रहा था। कारसेवा हो रही थी, तब उनकी उम्र 17 साल थी।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 18°c
न्यूनतम 13°c

2

सुबह सवेरे

भोपाल ■ बुधवार, 22 जनवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

पूरे मंत्रिमंडल के साथ त्रिवेणी-संगम में डुबकी लगाएंगे योगी

आज आयोजित होगी बैठक, 2019 कुम्भ में किया था स्नान

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ में बुधवार 22 जनवरी को योगी सरकार की कैबिनेट बैठक हो रही है। इस बैठक में योगी सरकार के सभी 54 मंत्रियों को बुलाया गया है। इस बैठक में प्रदेश को कई सौगात देने वाली योजनाओं और प्रस्तावों को मंजूरी दी जाएगी। इसके बाद सीएम योगी पूरे मंत्रिमंडल के साथ त्रिवेणी संगम की पावन धारा में डुबकी भी लगाएंगे। इससे पूर्व उत्तर प्रदेश के सीएम योगी ने 2019

कुम्भ मेले में भी अपने पूरे मंत्रिमंडल के साथ संगम में डुबकी लगाई थी। तब मुख्यमंत्री के साथ अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष नरेंद्र गिरि और अन्य साधु संतों ने भी संगम में स्नान किया था। 12 बजे शुरू होगी बैठक महाकुंभ में योगी सरकार की बैठक में शामिल होने के लिए यूपी सरकार के सभी 54 मंत्रियों को बुलाया गया है। यह बैठक अरैल के त्रिवेणी संकुल में दोपहर 12 बजे शुरू होगी। संगम में स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को असुविधा न हो, इसके लिए अरैल में बैठक करने का फैसला लिया गया है।

अभी गई नहीं है सर्दी गलन बिगाड़ेगी मौसम

उत्तर प्रदेश, बिहार और ओडिशा में घने कोहरे की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के मैदानी राज्यों में ठंड का असर धीरे-धीरे कम होता नजर आ रहा था मगर मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में ठंड के वापसी की चेतावनी दी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की मानें तो उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में 22 और 23 जनवरी को बारिश और ठंड बढ़ने की संभावना है। वहीं

पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में 23 जनवरी तक बारिश और बर्फबारी का सिलसिला जारी रहेगा। पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और ओडिशा में घने से बहुत घने कोहरे की चेतावनी जारी की गई है। कोहरे के कारण दृश्यता कई जगहों पर 50 मीटर से भी कम रही। उत्तर भारत के मैदानी राज्यों में पिछले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान में मामूली वृद्धि दर्ज की गई है, लेकिन हिमाचल प्रदेश 1-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट देखी गई। वहीं मध्य प्रदेश के मंडला में तापमान 6.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पश्चिमी विक्षोभ के चलते मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना है।

डोनाल्ड ट्रंप की शपथ में दिखी भारत की धमक

पहली कतार में थे जयशंकर, कई नेताओं से की मुलाकात

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप का दौर एक बार फिर से लौट आया है। उन्होंने दूसरी बार राष्ट्रपति पद की सोमवार को शपथ ली तो इस मौके पर दुनिया भर से मेहमान जुटे थे, लेकिन भारत को खास तवज्जो दिखाई दी। अमेरिका से पीएम नरेंद्र मोदी के नाम पर न्योता आया था और उन्होंने अपने दूत के तौर पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर को भेजा। डोनाल्ड ट्रंप के शपथ समारोह में एस. जयशंकर पहली ही पंक्ति में बैठे दिखे। इसके अलावा वह डोनाल्ड ट्रंप

के काफी करीब भी नजर आए। साफ था कि ट्रंप प्रशासन वाला अमेरिका भारत को तवज्जो दे रहा है। एस. जयशंकर ने डोनाल्ड ट्रंप के शपथ समारोह की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी शेयर की हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा, डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वैंस के शपथ समारोह में शामिल होकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यहां मैं पीएम नरेंद्र मोदी के विशेष दूत के तौर पर शामिल हुआ, जो गर्व की बात है। एस. जयशंकर की डोनाल्ड ट्रंप के शपथ समारोह के दौरान उनकी कई मंत्रियों से भी मुलाकात हुई है।

रंगीन रोशनी से नहाया शहर और खूबसूरत हुआ महाकुंभ क्षेत्र

● मौनी अमावस्या से पहले सजे हर चौराहे, हर सेक्टर में रंगीन जगमग

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज महाकुंभ में आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। दिव्य, भव्य, डिजिटल और नव्य महाकुंभ की छटा देखते ही बन रही है। महाकुंभ के साथ ही प्रयागराज शहर की सड़कें जगमग रोशनी से नहाई हैं। रात में रंगीन रोशनी पूरे शहर की खूबसूरती बढ़ा रही है। ऐसा ही हाल महाकुंभ के हर क्षेत्र का है। शहर और महाकुंभ के मार्गों और चौराहों को भी आकर्षक स्वरूप दिया गया है जहां से होकर पर्यटक और श्रद्धालु महाकुम्भ पहुंच रहे हैं। अब सड़क किनारे के वृक्षों को रोशनी के माध्यम से नया स्वरूप दिया गया है। प्रयागराज महाकुंभ आ रहे आगंतुकों के स्वागत के लिए की कुम्भ नगरी की सड़कों को सजाया गया, शहर के चौराहे सुसज्जित किए गए और बारी है सड़क के दोनों तरह मौजूद हरे भरे वृक्षों को नया लुक देने की।

नगर निगम प्रयागराज ने इस संकल्प को धरती पर उतारा है। नगर निगम के मुख्य अभियंता (विद्युत) संजय कटियार बताते हैं कि शहर में सड़क किनारे लगे वृक्षों का नया लुक देने के यूपी में पहली बार नियॉन और थीमेटिक लाइट के संयोजित वाली प्रकाश व्यवस्था लागू की गई है। इस नई व्यवस्था में शहर के महत्वपूर्ण मार्गों के 260 वृक्षों के तनों, शाखाओं और पत्तियों में अलग अलग थीम की रोशनी लगाई गई है। सड़कों और चौराहों के अलावा शहर के अंदर के छोटे बड़े पार्कों में भी पहली बार उन्हें सजाने के लिए नए ढंग से संवारा गया है। नगर निगम के चीफ इंजीनियर (विद्युत) संजय कटियार का कहना है कि शहर के चयनित आठ पार्कों में पहली बार कांच और रोशनी के संयोजन से म्यूरल्स बनाए गए हैं।

पत्नी के मायके जाने से नाराज युवक का ड्रामा

200 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ा; बोला- मुझे हर बार पागल बनाती हो, इस बार नहीं मानूंगा

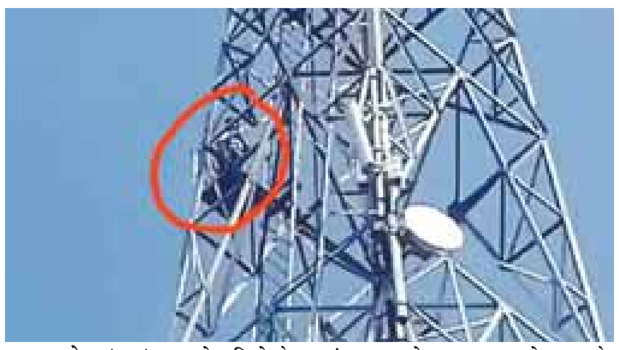

रायसेन (नप्र)। रायसेन जिले के बाड़ी में मंगलवार को एक युवक अपनी पत्नी के मायके चले जाने से नाराज होकर मोबाइल के टावर पर चढ़ गया। इस दौरान युवक ने 200 फीट की ऊंचाई पर पहुंच कर हाई वोल्टेज ड्रामा किया।

स्थानीय लोगों ने युवक को टावर पर चढ़ा देख पुलिस को सूचना दी। इसके बाद देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। इसके बाद करीब 4 घंटे के बाद एसडीओपी की समझाइश पर वह नीचे उतरा।

बाड़ी एसडीओपी अदिति सक्सेना ने बताया कि युवक रामबाबू विश्वकर्मा मंगलवार को सुबह 11 मोबाइल के टावर पर चढ़ गया था। वह करीब 4 घंटे तक ऊपर ही चढ़ा रहा, इसके बाद उससे मोबाइल पर बात कर कन्वेंस किया। उसकी पत्नी जो उसे छोड़कर मंडीदीप मायके चली गई थी, उसे फोन कर दोनों को कॉन्फ्रेंस में लेकर बात कराई। इसके बाद युवक माना और नीचे उतरा।

नशे की लत के कारण पत्नी ने छोड़ा- स्थानीय लोगों ने बताया कि युवक नशा करता है, जिस कारण पत्नी उसे छोड़कर मायके चली गई थी। साथ ही युवक अपने माता-पिता से भी झगड़ा करता है।

पत्नी से बोला- तुम हर बार मुझे पागल बनाती हो, इस बार नहीं मानूंगा

एसडीओपी अदिति सक्सेना ने युवक से लगातार मोबाइल पर बात कर उसे कन्वेंस किया और युवक की पत्नी को भी कॉन्फ्रेंस में लेकर युवक की बात कराई। इस दौरान युवक पत्नी से कहता रहा की तुम हर बार मुझे पागल बनाती हो, पर इस बार नहीं मानूंगा। मैं पढ़ा लिखा हूं।

युवक ने पत्नी से कहा- एक काम करो तुम एसडीओपी मैडम के साथ आधे रास्ते तक आ जाओ, फिर मैं नीचे उतर जाऊंगा। युवक की इस बात पर एसडीओपी ने कहा- हां मैं तुम्हारी पत्नी को लेकर आ रही हूं, इसके बाद दोपहर करीब 3 बजे युवक माना और नीचे उतर गया।

1984 सिख विरोधी दंगे के फैसले की तारीख बढ़ी

अब 31 जनवरी को आएगा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1984 के सिख विरोधी दंगा मामले में दिल्ली का राउज एवेन्यू कोर्ट 31 जनवरी को फैसला सुनाएगा। मामला कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार से जुड़ा है। उन पर दंगों के दौरान पिता-पुत्र की हत्या का आरोप है। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद 1984 में हुए सिख विरोधी दंगे शुरू हुए थे। इसी दौरान 1 नवंबर को पश्चिमी दिल्ली के राज नगर पार्ट-1 में सरदार जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुण दीप सिंह की हत्या कर दी गई।

जीएसटी और इनकम टैक्स ने जीना किया हराम

यही है विकसित भारत, राहुल गांधी का केंद्र पर तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अर्थव्यवस्था के विभिन्न सूचकांकों का हवाला देते हुए मंगलवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने सवाल किया कि जब सबकी मेहनत से अर्थव्यवस्था का पहिया घूम रहा है तो क्या उसमें आम लोगों को उनकी उचित हिस्सेदारी मिल पा रही है। उन्होंने दावा किया कि हानिकारक जीएसटी और आयकर की मार ने गरीब और मध्यम वर्ग का जीना हराम कर रखा है, जबकि कॉर्पोरेट घरानों का कर्जा माफ किया जा रहा है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, मोदी जी के विकसित भारत की सच्चाई। मेहनत आपकी, मुनाफा किसका। आप सभी के खून पसीने से देश की अर्थव्यवस्था का

पहिया घूम रहा है, लेकिन क्या आपको इसमें उचित हिस्सा मिल रहा है। जरा सोचिए। उन्होंने दावा किया कि विनिर्माण क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी 60 साल के सबसे निचले स्तर तक चली गई। इस वजह से लोगों को रोजगार के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। राहुल ने कहा, कृषि क्षेत्र में गलत नीतियों ने किसान और खेत मजदूर की स्थिति बदहाल कर दी है। वे मुश्किल से अपना गुजारा कर पा रहे हैं। पिछले 5 वर्षों में श्रमिकों की वास्तविक आमदनी या तो स्थिर है या कम हुई है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष के अनुसार, हानिकारक जीएसटी और आयकर की मार ने गरीब और मध्य वर्ग का जीना हराम कर रखा है, जबकि कॉर्पोरेट का कर्जा माफ किया जा रहा है।

सैफ अली खान को मिल गई अस्पताल से छुट्टी

घर पर सुरक्षा के लिए लगाए गए सीसीटीवी कैमरे

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान को इलाज के बाद लीलावती अस्पताल से डिसचार्ज कर दिया गया है। एक्टर को 5 दिन बाद अस्पताल से छुट्टी मिली है। शहजाद नाम के शख्स ने एक्टर के घर में घुसकर उन पर चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला कर दिया था जिसके बाद इलाज के लिए वह हॉस्पिटल में एडमिट हुए थे। एक्टर की हालत अब बेहतर है और उन्हें आराम करना है। करीना कपूर खान अस्पताल पहुंची थीं सैफ से मिलने के लिए। हालांकि सैफ उनके साथ घर गए हैं या अलग इसको लेकर जानकारी नहीं आई है। बता दें कि पिछले हफ्ते बुधवार देर रात को आरोपी सैफ के घर घुसा और जब एक्टर की हाउस हेल्प ने उसे देखा तो वह शोर करने लगीं। इसके बाद शोर सुनकर सब सैफ आए तो लड़ाई के दौरान उसने सैफ पर चाकू से 6 बार वार किए। एक्टर की 2 सर्जरी हुई जहां स्पाइन के पास चाकू का एक हिस्सा भी रह गया था।

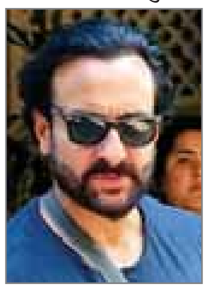

गणतंत्र दिवस पर दुनिया देखगी अपनी 'प्रलय'

● परेड में पहली बार शामिल होगी देश की यह मिसाइल

नई दिल्ली (एजेंसी)। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड में प्रलय मिसाइल पहली बार दिखाई जाएगी। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि नवविकसित सामरिक मिसाइल प्रलय परंपरागत हथियार ले जाने में सक्षम है। यह उन स्वदेशी हथियार प्रणालियों में शामिल है जिन्हें गणतंत्र दिवस परेड में कर्तव्य पथ पर प्रदर्शित किया जाएगा। इस तरह यह पहला मौका होगा जब गणतंत्र दिवस परेड में प्रलय मिसाइल को शामिल किया जाएगा। निश्चित तौर पर इससे दर्शकों का रोमांच और उत्साह और ज्यादा बढ़ जाएगा। प्रलय मिसाइल को अपनी सटीकता के लिए जाना जाता है। साथ ही, यह दुश्मन के इलाके में अंदर तक घुसकर हमला करने में सक्षम है। प्रलय का गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होना स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकी में भारत की बढ़ती ताकत को दिखाता है। प्रदर्शन में शामिल अन्य प्रमुख हथियारों में ब्रह्मोस मिसाइल, मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर, टी - 90 टैंक और नाग मिसाइलें हैं। यह भारत की मजबूत सैन्य शक्ति का नमूना पेश करेगा। इस साल की गणतंत्र दिवस परेड में न केवल सैन्य ताकत पर जोर होगा बल्कि भारत की सांस्कृतिक विरासत का भी जश्न मनाया जाएगा। सिंह ने कहा कि परेड में प्रलय मिसाइल के साथ-साथ अन्य स्वदेशी रूप से विकसित प्लेटफॉर्म भी प्रदर्शित किए जाएंगे। प्रलय छोटी दूरी की सतह से सतह पर मार कर सकती है।

कब्र खोदने के लिए भी यहां नहीं मिल रहे हैं लोग

● मातम और दहशत के बीच वीरान हुआ राजौरी का गांव ● जम्मू में एक शादी के बाद हुई 17 मौतों से छाया मातम

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के एक गांव में इन दिनों चीख-पुकार और मातम का माहौल है। इसकी वजह यह है कि इस गांव में 7 दिसंबर से अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है। बद्दल नाम के इस गांव में लगभग 500 परिवार हैं। हालात इतने खराब हैं कि इस गांव के मुस्लिम समुदाय के लोग अपने परिजनों की कब्र खोदने के लिए लोगों की मदद का इंतजार कर रहे हैं। पूरे गांव में भयंकर खामोशी और दहशत फैली हुई है। 65 साल के जमालदीन कहते हैं कि लोगों में इस कदर डर है कि कोई यहां कब्र तक खोदने के लिए तैयार नहीं है। जमालदीन कहते हैं कि कुछ हफ्ते पहले तक जिस जमीन पर बच्चे खेल रहे थे, आज उन्हें इसी जमीन के नीचे दफन कर दिया गया है। जमालदीन के पोते मुश्ताक कहते हैं कि एक कब्र को खोदने के लिए कम से कम 10 से 12 लोगों की जरूरत होती है, लेकिन हम आज एक-दूसरे के घर में न कुछ खाते हैं, न पानी पीते हैं। मुश्ताक अहमद और उनके दादा जमालदीन यास्मीन कौसर की कब्र खोदने के लिए लोगों की मदद का इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में यास्मीन की मौत इस अनजान बीमारी से हुई है। उनके पिता का नाम मोहम्मद असलम है। इससे पहले मोहम्मद असलम की मौसी और चाचा के अलावा पांच और बच्चों की मौत इस बीमारी की वजह से हो गई है। हैरान करने वाली बात यह है कि लोगों की मौत किस वजह से हो रही है, इसका पता नहीं चल पा

रहा है जबकि देश के कई बड़े अस्पतालों के डॉक्टर्स की टीम गांव का दौरा कर चुकी है। 17 लोगों की मौत के बाद केंद्र सरकार को इस मामले में एक टीम बनानी पड़ी है। दहशत की वजह से लोग घरों के अंदर ही बंद हैं और पूरा गांव एकदम वीरान हो गया है। राजस्व विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि हालात को देखते हुए यह आदेश दिया गया है कि ग्रामीण फिलहाल किसी भी तरह का कोई भी सामुदायिक समारोह आयोजित ना करें। लगातार बीमारी की वजह से पहले से तय की गई कई शादियों को टाल दिया गया है। प्रशासन ने एक बावली (पानी इकट्ठा करने की जगह) को सील करने का भी आदेश दिया है क्योंकि कुछ लोगों का कहना है कि हो सकता है कि पीड़ितों ने इस बावली से पानी पिया हो। केंद्र सरकार की टीम ने गांव का दौरा किया और इस बीमारी से मरने वाले लोगों के परिवार वालों से मुलाकात की। इससे पहले भारत के बड़े मेडिकल संस्थानों जैसे- पीजीआई चंडीगढ़, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी पुणे और दिल्ली की टीम भी गांव का दौरा कर चुकी है।

विमुक्त जाति के 5 छात्रावासों में विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी 'परीक्षा दें हंसते-हंसते' कार्यक्रम संचालित करेगा

विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु विभाग और विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी के बीच हुआ एमओयू

भोपाल (नप्र)। प्रदेश के विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु कल्याण विभाग और विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी के बीच मंगलवार को विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर की उपस्थिति में एमओयू हुआ। प्रदेश के विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु कल्याण विभाग के 5 छात्रावासों में विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी की भोपाल शाखा 'परीक्षा दें हंसते-हंसते' और संस्कार वर्ग की नियमित गतिविधियां संचालित करेगा। एमओयू में छात्रावास के बालक-बालिकाओं के समग्र व्यक्तित्व विकास को ध्यान में रखते हुए गतिविधियों को शामिल किया गया है। विमुक्त घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु विभाग की ओर से उप संचालक सुश्री दीप्ति कोटस्थाने और विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी शाखा भोपाल की ओर से प्रांत संगठक सुश्री

रचना दीदी ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर संचालक विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु कल्याण विभाग श्री नीरज वशिष्ठ और विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी शाखा भोपाल के प्रांत कार्यालय प्रमुख श्री सुरेशचन्द्र सोनी और सह प्रांत प्रमुख श्री मनोज गुप्ता भी उपस्थित थे।

इन छात्रावासों में संचालित होगा कार्यक्रम- विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी शाखा भोपाल द्वारा प्रदेश के विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु विभाग के जिन 5 छात्रावासों में 'परीक्षा दें हंसते-हंसते' कार्यक्रम संचालित होगा, उनमें विमुक्त जाति प्री-मेट्रिक बालक छात्रावास उज्जैन, प्री-मेट्रिक बालक छात्रावास गांधीनगर भोपाल, प्री-मेट्रिक बालक छात्रावास जीरापुर, प्री-मेट्रिक कन्या छात्रावास नेहरू नगर और प्री-मेट्रिक बालक छात्रावास राजगढ़ शामिल हैं।

ऐसी होंगी गतिविधियां

'परीक्षा दें हंसते-हंसते' और संस्कार वर्ग की नियमित गतिविधियों में कहानी, खेल और गीतों के माध्यम से छात्र-छात्राओं में पढ़ाई के प्रति रूचि बनाये रखने पर जोर दिया जायेगा। इसके साथ ही छात्र-छात्राओं के संपूर्ण व्यक्तित्व विकास को केन्द्रित कर उन्हें शिक्षा दी जायेगी। साथ ही राष्ट्रीयता का भाव जागृत कर उन्हें राष्ट निर्माण में योगदान करने वाला सेवाभावी और कर्तव्यनिष्ठ नागरिक बनाना शामिल है। शुरूआती चरण में पाँच छात्रावासों में कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। भविष्य में विमुक्त घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु कल्याण विभाग के सभी छात्रावासों में कार्यक्रम आयोजित होंगे।

रीवा बायपास कार्य समय-सीमा में करें पूर्ण : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि रीवा-बायपास परियोजना क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके पूर्ण होने से न केवल शहर में यातायात का दबाव कम होगा, बल्कि क्षेत्रीय

कनेक्टिविटी में भी सुधार होगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल में रीवा-बायपास परियोजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करना सर्वोपरि है, जिससे आमजन को इस महत्वपूर्ण परियोजना का शीघ्र लाभ मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरे किए जाएं। बैठक में एमडी एमपीआरडीसी श्री अविनाश लवानिया सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के हुए 10 वर्ष पूर्ण

22 जनवरी से 8 मार्च तक पूरे प्रदेश में होगी विभिन्न गतिविधियाँ

भोपाल (नप्र)। 'बेटे बचाओ-बेटी पढ़ाओ' पहल बेटियों के उत्थान में मील का पत्थर साबित हुई है। बुधवार 22 जनवरी 2025 को इस पहल के 10 वर्ष पूर्ण हो जायेंगे। इस अवसर पर महिला बाल विकास मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली के विज्ञान भवन में प्रातः 1:30 बजे से कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। इस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश की सशक्त वाहिनी पर एक फिल्म का भी प्रदर्शन होगा। इस कार्यक्रम में महिला बाल विकास विभाग के राज्य, जिला एवं ब्लाक स्तर पर सभी अधिकारी-कर्मचारी वर्चुअल रूप से जुड़ेंगे।

प्रदेश में बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओं की दसवीं वर्षगांठ पर 22 जनवरी से 8 मार्च 2025 तक सभी जिलों में विभिन्न गतिविधियों और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान पहले सप्ताह में 181 एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 माहवारी स्वच्छता प्रबंधन पर जागरूकता, सैनिटरी पैड का वितरण, स्कूलों और कॉलेजों में सेनिटरी पैड मशीन की स्थापना, जेंडर सेन्सिटाइजेशन, गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम पर आम नागरिकों को जागरूक किया जायेगा। दूसरे सप्ताह में वन विभाग और जिला प्रशासन के सहयोग से वृक्षारोपण, महिला पुलिसकर्मियों द्वारा बाइक और साइकिल रैली आदि का आयोजन होगा। तीसरे सप्ताह में स्कूल में बालिकाओं को प्रवेश दिलाने के लिए नामांकन अभियान चलाया जाएगा। इसके अलावा आकांक्षी जिलों में सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 योजना के तहत किशोरी बालिकाओं के लिए जागरूकता अभियान एवं नामांकन अभियान का आयोजन होगा। इसी प्रकार चौथे, पाँचवे और छठे सप्ताह में शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, पंचायत राज और ग्रामीण विकास विभाग के साथ समन्वय कर महिला हेल्पलाइन-181 और चाइल्ड हेल्पालाइन 1098 का प्रचार एवं जागरूकता, जिला अधिकारियों, केन्द्रीय कार्यालयों एवं महिला थानों पर बालिकाओं का भ्रमण तथा महिलाओं पर केन्द्रित कानून और भारतीय न्याय संहिता में महिला केन्द्रित प्रावधानों पर जागरूकता अभियान चलाया जायेगा। साथ ही जिला स्तर पर 2023-24 के मेरिट सूची में प्रथम से दसवें स्थान तक प्राप्त करने वाली छात्राओं का सम्मान किया जायेगा।

टेलीमेडिसिन कर्मचारियों की छंटनी का विरोध

550 कर्मचारियों ने भोपाल में किया प्रदर्शन हाईकोर्ट जाने की तैयारी

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश के उप स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत आउटसोर्स टेलीमेडिसिन कर्मचारियों ने बड़े पैमाने पर छंटनी का

विरोध करते हुए भोपाल में प्रदर्शन किया। कंपनी द्वारा 25 जनवरी से पहले चरण में 20 जिलों के 550 कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के आदेश जारी किए गए हैं।

प्रभावित कर्मचारियों ने एनआरएचएम कार्यालय के सामने धरना दिया, जहां ऑल डिपार्टमेंट आउटसोर्स कर्मचारी मोर्चा के अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने उनका समर्थन किया। शर्मा ने इस छंटनी को गैरकानूनी बताते हुए एकजुट होकर संघर्ष करने का आह्वान किया।

स्थिति की गंभीरता को दर्शाते हुए शर्मा ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग का 90 प्रतिशत कंपनीकरण हो चुका है और सभी प्रोजेक्ट ठेके पर चल रहे हैं। पिछले 10 दिनों में ही 1500 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकाला जा चुका है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को न तो उचित वेतन मिल रहा है और न ही नौकरी में सुरक्षा है। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने अधिकारियों से मुलाकात कर अपना ज्ञापन सौंपा। वासुदेव शर्मा ने यह भी बताया कि वे इस मामले को हाईकोर्ट में ले जाने की तैयारी कर रहे हैं और वकीलों से इस संबंध में चर्चा भी कर ली गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मेघालय, त्रिपुरा और मणिपुर के स्थापना दिवस पर दी बधाई

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मेघालय, त्रिपुरा और मणिपुर के स्थापना दिवस पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि त्रिपुरा, माँ त्रिपुरसुंदरी जी की कृपा से अभिसिंचित एवं अद्वितीय नैसर्गिक सौंदर्य के लिए सुविख्यात है और मणिपुर, अद्वितिय कला तथा समृद्ध संस्कृति से परिपूर्ण है। मेघालय सहित त्रिपुरा और मणिपुर का प्राकृतिक सौंदर्य भी अद्भुत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ये राज्य विकास के नए आयाम गढ़ते हुए सदैव प्रगति करें, नागरिकों के जीवन में खुशहाली आए बाबा महाकाल से यही मंगलकामना है।

भूमि स्वामी अधिकार-पत्र देकर बनाया मालिक : कृष्णा गौर

खजूरी कला बरखेड़ा बस्तियों के नागरिकों को वितरित किये अधिकार-पत्र

भोपाल(नप्र)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि नगरीय क्षेत्र के रहवासियों को भूमि स्वामी अधिकार-पत्र देने की धारणाधिकार योजना से नागरिक भूमि के मालिक बन गये हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले निवासरत नागरिकों का सर्वे किया गया था। सर्वे के आधार पर ऐसे रहवासी, जो 2014 के पूर्व जहां रह रहे थे, वहां उन्हें भूमि स्वामी का अधिकार-पत्र दिया गया है। निवास कार्यालय पर राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने खजूरी कला बरखेड़ा पठानी आदि बस्तियों के 61 रहवासियों को भूमि स्वामी अधिकार-पत्र वितरित किये।

राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि जिन रहवासियों को भूमि स्वामी अधिकार-पत्र दिये गये हैं। इससे वे अपना आवास बनाने के लिये बैंक से ऋण ले सकते हैं। अपने घर का बिजली-पानी कनेक्शन आदि भी ले सकतें हैं। उन्हें अब किसी के द्वारा हटाये जाने का डर नहीं रहेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा शहरी क्षेत्र के रहवासियों को यह सौगात दी गई है। राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि इस योजना में अब संशोधन कर 2019 तक के रहवासियों को भी शामिल किया जा रहा है। शहरी क्षेत्र में जो व्यक्ति 2019 तक जहां निवास कर रहा था, वहां का सर्वे किया जा रहा है। सर्वे के बाद उन्हें भी भूमि स्वामी अधिकार-पत्र प्रदान किया जायेगा। इस अवसर पर श्री सुरेन्द्र वाटिका, श्री वी.शक्ति राव, श्री नीरज सिंह, श्रीमती मधु सिबनानी, एसडीएम एमपी नगर श्री एल.के. खरे, तहसीलदार एमपी नगर श्री आलोक पारे, नायब तहसीलदार सुश्री शिवांगी खरे और भू-स्वामी अधिकार-पत्र प्राप्त करने वाले हितग्राही उपस्थित रहे।

बजट पर संवाद 23 जनवरी को प्रशासन अकादमी में

उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री देवड़ा विषय-विशेषज्ञों से करेंगे संवाद

भोपाल (नप्र)। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिये बजट तैयारी के संबंध में 'बजट पर संवाद' 23 जनवरी को आर.सी.व्ही.पी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल में सुबह 10:30 बजे से होगा। बजट पर संवाद में उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा विभिन्न क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों के साथ चर्चा कर आगामी बजट को अधिकाधिक जनोपयोगी और प्रभावशाली बनाए जाने के लिए बहुमूल्य सुझाव प्राप्त करेंगे।

वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने एवं भारत की अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन इकोनॉमी बनाए जाने के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूर्ण करने में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में कृत संकल्पित है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए और आम जनता से जुड़ी हुई विभिन्न सुविधाओं को प्रदान करने के लिए उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा के निर्देशन में वित्त विभाग बजट की तैयारी कर रहा है। इसमें विभिन्न क्षेत्रों जैसे बैंकिंग, ग्रामीण- विकास, जनजाति, आर्थिक एवं वाणिज्यिक, जेंडर बजट, पर्यावरण के विशेषज्ञों से सुझाव प्राप्त करने के लिये बजट पर संवाद किया जा रहा है।

राज्य सरकार द्वारा किसान, युवा, महिला वर्ग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यह लगातार चौथा वर्ष है जब 'बजट पर संवाद' आयोजित किया जा रहा है। 'बजट पर संवाद' कार्यक्रम में बैंकिंग, अर्थशास्त्र, वित्त आयोग, उद्योग क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषि, उद्यान, चिकित्सा, चार्टर्ड एकाउंटेंसी, फिल्म, में सफलता पूर्वक कार्य कर रहे हितधारकों को भी सुझाव देने के लिये आमंत्रित किया जा रहा है। आम जनता से समाचार पत्रों, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ( ), दूरभाष (0755-2700800), ई-मेल (budget.mp@mp.gov.in) व पत्राचार के माध्यम से उनके सुझाव प्राप्त किए जा रहे हैं। इससे विकास की राह पर निरंतर आगे बढ़ रहे मध्यप्रदेश के आगामी बजट में अपने सुझावों के माध्यम से सहभागिता निभाकर प्रदेश की प्रगति और समृद्धि में आम जनता भी अपना योगदान दे सकेगी।

पत्नी के सामने पति की चाकू मारकर हत्या

जबलपुर में गाड़ी टकराने पर विवाद, बदमाशों ने कहा-पुलिस से जाकर बताना कि तेरी जान ले ली

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर में बदमाशों ने पत्नी के सामने पति की हत्या कर दी। उन्होंने हमला करते हुए कहा- पुलिस से जाकर बताना कि तुझे चाकू मारकर जान ले ली है। वारदात सोमवार देर रात करीब साढ़े 11 बजे की है।

पुलिस के मुताबिक, मकबूल अहमद अंसारी उर्फ टिंगू ई-रिक्शा चलाता था। सोमवार को अपनी पत्नी को इलाज के लिए अस्पताल लेकर गया था। रात को दोनों ई-रिक्शा से घर लौट रहे थे। रास्ते में गोहलपुर पानी टंकी के पास रिक्शा की टक्कर बाइक से हो गई। बाइक सवार दोनों युवक गाड़ी से उतरे और मकबूल से गाली-गलौज करने लगे।

मकबूल ने समझाने की कोशिश करते हुए कहा, अगर आपकी बाइक खराब हुई है तो मेरा रिक्शा भी टूट गया है। चलो, पुलिस थाने जाकर शिकायत दर्ज कराते हैं। यह सुनते ही बाइक सवार दोनों युवकों ने चाकू निकाल लिए। हमला करते हुए कहा, अब पुलिस से जाकर बताना कि तुझे चाकू मारकर जान ले ली है।

मकबूल के नीचे गिरते ही दोनों बदमाश चाकू दिखाते हुए बाइक से भाग निकले। उनकी पहचान अमित चौधरी और सतीश रैकवार के रूप में हुई है। दोनों को मंगलवार सुबह गाजी नगर से गिरफ्तार कर लिया गया।

पत्नी चीखती रही-मत मारो, आरोपी चाकू चलाते रहे

मकबूल की पत्नी ने मदद के लिए आवाज लगाई तो आसपास के लोग पहुंचे। उनकी मदद से पत्नी मकबूल को लेकर निजी अस्पताल पहुंची। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पत्नी ने कहा, बुलेट सवार दोनों बदमाश शराब के नशे में थे। मैं उन्हें नहीं पहचानती।

टक्कर होते ही वे चिल्लाए- इतना नुकसान हो गया है। क्या ये तेरा बाप देगा? मकबूल ने कहा, गलती आपकी है, मेरी नहीं। इतना सुनते ही उन्होंने चाकू निकाल लिए और हमला कर दिया। मैं चीखती रही कि मत मारो लेकिन वे नहीं रुके। चाकू चलाते रहे। मुझे धक्का देकर भाग गए।

शहर के बीचोंबीच हत्या की जानकारी मिलते ही गोहलपुर थाना प्रभारी प्रतिक्षा मार्को अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचीं। मौके का जायजा लिया और लोगों से पूछताछ की। टीम को बदमाशों को ढूंढने के निर्देश दिए।

बिजली-फसल के रेट को लेकर भाकिसं ने सौंपा ज्ञापन

कहा-एमपी में सरकार 2700 क्विंटल पर खरीदे गेहूं, धान के रेट भी बढ़ाएं जाएं

भोपाल (नप्र)। भारतीय किसान संघ ने मंगलवार को प्रदेश के सभी जिलों में कलेक्टरों को ज्ञापन सौंपे। उन्होंने प्रदेश में 2700 रुपए प्रति क्विंटल पर गेहूं खरीने की मांग की। साथ ही बिजली की पर्याप्त आपूर्ति की भी मांग उठाई। भोपाल में दोपहर 1 बजे किसान संघ ने कलेक्टोरेट पहुंचकर डिप्टी कलेक्टर राजेश सोरते को ज्ञापन सौंपा। इससे पहले वे रैली के रूप में कलेक्टोरेट पहुंचे। नारेबाजी करते हुए उन्होंने सीएम के नाम ज्ञापन सौंपा।

गाड़ी में आग लगाने वाले किसान को न्याय मिले

कलेक्टोरेट पहुंचे किसानों ने गाड़ी में आग लगाने वाले किसान परिवार को न्याय देने की मांग की। भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि परेशान होकर किसान ने यह कदम उठाया है। इसलिए उसे न्याय मिलना चाहिए। किसान संघ उसके साथ है।

इन मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

भाजपा ने घोषणा पत्र में 2700 रुपए प्रति क्विंटल गेहूं खरीदने की घोषणा की थी, इसे पूरा किया जाए।

प्रदेश में धान का रकबा बहुत अधिक हो गया है। इसलिए प्रदेश को बासमती का दर्जा दिया जाए। धान समर्थन मूल्य पर खरीदी से 1000 रुपए क्विंटल कम पर बिक रहा है। धान को 4 हजार रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से खरीदा जाए।

सितंबर में भारतीय किसान संघ ने सोयाबीन को लेकर पूरे प्रदेश में जन आंदोलन चलाया था। उस समय मुख्यमंत्री ने 6 हजार रुपए प्रति क्विंटल के रेट से सोयाबीन खरीदने का आश्वासन दिया था। सोयाबीन इसी रेट पर खरीदा जाए।

खाद की जरूरत को ध्यान में रखकर उसकी पर्याप्त व्यवस्था की जाए।

रेसई परियोजना को बैरसिया होते हुए सम्राट अशोक सागर बांध से जोड़ा जाए। वहीं, टेम परियोजना को सिंचाई के लिए जममेरी में फुल स्टॉक किया जाए।

कृषि पंप के लिए बिजली बिना ट्रिपिंग के 10 घंटे दी जाए। जर्जर तार और पोलों को बदला जाए।

कलेक्टोरेट के बाहर गाड़ी में आग लगाई

परिवार आग में झुलसने से बचा, प्रशासन पर कार्रवाई का दबाव बनाने उठाया कदम

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कलेक्टर ऑफिस के गेट पर खड़ी एक फोर व्हीलर में मंगलवार दोपहर एक युवक ने पेट्रोल डालकर आग लगा दी। गाड़ी में भूसा भरा था। इससे यह कुछ देर में ही जलकर खाक हो गई। बताया जाता है कि प्रॉपर्टी विवाद की शिकायत लेकर परिवार कलेक्टोरेट पहुंचा था। कार्रवाई नहीं होने से नाराज होकर गाड़ी में खुद ही आग लगा दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, इन्होंने आत्मदाह की कोशिश भी की।

कलेक्टोरेट गेट पर धुं-धुं जल रही गाड़ी से हड़कंप मच गया। तुरंत फायर बिग्रेड को सूचना दी गई। करीब 20 मिनट में आग पर काबू पाया जा सका। कोहेफिजा पुलिस भी मौके पर पहुंची और एक युवक को पकड़ लिया। सूमो में 'जिला महामंत्री महाराणा प्रताप युवा संगठन भोपाल' लिखी एक प्लेट भी रखी मिली। एएसआई जागरिया झा ने बताया, एक युवक गाड़ी के ऊपर चढ़ा था। तुरंत उसे हटाया और आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई।

जिपं सीईओ-एडीएम आग बुझाने दौड़े- गाड़ी में आग लगाने के दौरान जिपं सीईओ सिंह जनसुनवाई कर रहे थे। वहीं, एडीएम जैन एक मीटिंग में थे। जैसे ही उन्हें आग लगने की जानकारी मिली, वे दौड़े और वहां रखें अग्निशामक यंत्र या फायर एक्सटिंग्विशर को उठाकर आग बुझाने दौड़े। इसी बीच दमकल भी आ गई और आग पर काबू पा लिया गया।

जल्द कार्रवाई को लेकर यह कदम उठाया- परिजनों का आरोप था कि जनसुनवाई में उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई, लेकिन बाद में पता चला कि इस मामले में हाईकोर्ट ने स्टे दे रखा है। जिला न्यायालय से फैसला इनके विपक्ष में आया था। इसके बाद वे हाईकोर्ट पहुंचे थे। जहां से स्थगन मिला। हालांकि, जमीन पर अभी कब्जा इन्हीं के पास है।

जिला प्रशासन पर जल्दी कार्यवाही का दबाव बनाने के लिए यह कदम उठाया, जबकि स्टे होने से किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं हो सकती है। कलेक्टर सिंह ने बताया, इस मामले में हाईकोर्ट के निर्देशानुसार कार्यवाही की जा रही है।

झुलसने से बचा परिवार- प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि, एक परिवार आत्महत्या के इरादे से आया था। उसी ने आग लगाई थी। एक युवक हल्का झुलस गया। उस पर पानी डाला। कोई गंभीर नहीं है।

यह परिवार शिकायत लेकर पहुंचा था

जानकारी के अनुसार, शक्करबाई पति रघुनाथ सिंह, बेटा होतम सिंह, राय सिंह, बेटी चंदाबाई, शीलाबाई निवासी ग्राम बरखेड़ा नाथू कलेक्टोरेट में शिकायत लेकर पहुंचे थे। पैतृक संपत्ति हड़पने की शिकायत थी।

हड़कंप मच गया

जिस समय गाड़ी में आग लगाने का मामला हुआ, तब मीटिंग हॉल में जनसुनवाई चल रही थी। इससे हड़कंप मच गया। गेट पर ही लोगों को रोक दिया गया। ताकि, कोई हादसा न हो। पास में ही अफसरों की गाड़ियां भी खड़ी थीं। जिन्हें ड्राइवरों ने तत्काल हटाया। जिला पंचायत सीईओ ऋतुराज सिंह, एडीएम सिद्धार्थ जैन, एसडीएम विनोद सोनकिया भी मौके पर पहुंचे।

किसानों के आने के चलते पहले से पहुंच गई थी पुलिस

मंगलवार को ही भारतीय किसान संघ कलेक्टर को ज्ञापन देने कलेक्टोरेट पहुंच रहा था। इसलिए कोहेफिजा पुलिस पहले से ही वहां पहुंच गई थी। यही कारण है कि परिवार को झुलसने से बचा लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगाने के बाद एक युवक बोनट पर खड़े होकर डांस भी करने लगा। जिसे तुरंत उतारा गया। इसके बाद पुलिस ने परिवार को पकड़ लिया और थाने ले आई। इस मामले में कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने कहा कि होतम सिंह नामक व्यक्ति ने गाड़ी में आग लगाई। उनका एक प्रकरण एसडीएम और एक हाईकोर्ट जबलपुर में चल रहा है।

संपादकीय

मप्र में घटती हरियाली

कभी अपनी हरियाली और जंगल के लिए मशहूर रहा मध्यप्रदेश धीरे-धीरे सपाट मैदान में बदलता जा रहा है। इसका दुष्प्रभाव जलवायु पर भी पड़ रहा है। लेकिन राज्य के जंगलों को बचाने के लिए कोई ठोस उपाय किए जा रहे हैं, ऐसा नहीं लगता। उलटे सच्चाई को छुपाने के लिए तमाम तरह के हथकंडे जरूर अपनाए जा रहे हैं। मप्र में घटती वन भूमि के चिंताजनक आंकड़े पिछले दिनों खुद वन विभाग ने ही जारी किए हैं। फारेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया (एफसीआई) की ताजा रिपोर्ट बताती है कि आज भी देश में मध्य प्रदेश भले ही सबसे ज्यादा वन भूमि (85 हजार 725 वर्ग किमी) वाला राज्य हो, लेकिन हरियाली के मामले में प्रदेश के छोटे शहरों की हालत बहुत खराब है। 26 छोटे शहरों (कस्बे) में फॉरेस्ट और ट्री कवर शून्य हो चुका है, जबकि 12 शहर ऐसे भी हैं जिनमें हरियाली एक फीसदी से भी कम है। दरअसल एफसीआई ने पहली बार फॉरेस्ट कवर व ट्री-कवर मैपिंग में जिलों व वन डिविजन के अलावा नगरीय निकायों की सीमा के आधार पर भी सर्वे किया है। चूंकि यह सर्वे सैटेलाइट इमेजरी डेटा के आधार पर किया गया है, इसलिए इसमें सिर्फ उन्हीं शहरों की सटीक जानकारी सामने आई है, रिकॉर्ड में जिनकी डिजिटल बाउंड्री फिक्स हो चुकी हैं। सर्वे में मप्र के 132 छोटे शहरों को शामिल किया गया है, जिनमें वर्ष 2023 की स्थिति में मौजूद वन क्षेत्र और पेड़ों की स्थिति का विश्लेषण किया गया है। इसके मुताबिक हरियाली के मामले में सबसे अच्छे नगरीय निकाय लिविंग हेरिटेज सिटी चंदेरी और धार्मिक नगरी चित्रकूट हैं। इस सूची में तीसरे स्थान पर बैतूल का सारणी है। एफसीआई की यह रिपोर्ट दिसंबर 2023 की स्थिति के हिसाब से है। उसे नगरीय निकायों की डिजिटाइज्ड बाउंड्री का डेटा नगरीय विकास एवं आवास विभाग की मुनिसिपल रिफॉर्म सेल द्वारा उपलब्ध कराया गया था। हालांकि हरियाली के मामले में बड़े शहरों जैसे भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन और सागर का जिक्र इस रिपोर्ट में नहीं है। वन विभाग के अफसरों के अनुसार इन शहरों की डिजिटल बाउंड्री फिलहाल फ्रीज नहीं हुई हैं। लिहाजा इन शहरों की स्थिति अगले साल यानी 2026 की रिपोर्ट में ही साफ हो पाएगी। प्रस्तुत रिपोर्ट के मुताबिक सिंगरौली, मुरैना, आरोन, बरघाट, जुनादेव जगई, कटंगी-बालाघाट, लखनादौन, नैनपुर, न्यूटन चिखली (छिंदवाड़ा), पनागर, पोरसा, सिवनी मालवा ऐसे शहर हैं जहां फॉरेस्ट कवर और पेड़ एक फीसदी से कम हैं। जबकि 26 नगरों में फारेस्ट कवर शून्य है। सबसे चिंता की बात यह है कि अपनी हरियाली के लिए मशहूर भोपाल शहर हर साल 2.5 प्रतिशत की खतरनाक दर से अपना हरित आवरण खो रहा है। अगर यह प्रवृत्ति जारी रही, तो 2031 तक शहर में केवल 9 प्रतिशत हरित आवरण बचेगा, और भोपाल अनिवार्य रूप से अपनी ऊपरी झील और शहरी गर्मी द्वीप प्रभाव के कारण इससे मिलने वाले प्राकृतिक शीतलन लाभों को खो देगा। आज हालत यह है कि भोपाल और इंदौर जैसे शहर महानगर बनने के साथ-साथ सीमेंट के जंगल में तब्दील होते जा रहे हैं। यहां तक कि भोपाल का रिहाइशी क्षेत्र तो अभयारण्य में घुस गया है। परिणामस्वरूप शेर अब जंगल छोड़ कर भोपाल की सीमा में विचरण कर रहे हैं। मप्र के ज्यादातर शहरों का मास्टर प्लान न होने से उनका विस्तार मनमाने ढंग से हो रहा है। बिल्डरों पर किसी का नियंत्रण नहीं है। भोपाल में स्मार्ट सिटी के नाम पर सिर्फ एक काम हुआ है और वह है हरियाली को साफ करना। एफसीआई की रिपोर्ट अपने आप में गंभीर चेतावनी है, लेकिन सवाल यह है कि क्या इसे सरकार और खुद वन विभाग गंभीरता से लेगा?

नजरिया

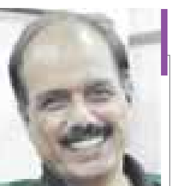

आशीष दशोत्तर

लेखक स्तंभकार हैं।

सोचें किस पायदान पर हैं 'हम भारत के लोग'

हम भारत के लोग चिंतित इसलिए भी हैं कि हमारी शिक्षा और हमारे स्वास्थ्य को लेकर जो चिंताएं की जाना थी वह आज तक नहीं की गई। आज भी देश में यह तय नहीं है कि बच्चों को शिक्षा कैसी दी जाए। हर दिन शिक्षा को लेकर एक नया आदेश सामने आता है। यह लगता है कि करना क्या है और क्या नहीं? हाई स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को कभी हम कहते हैं कि बेस्ट फाइव पढ़कर वह पास हो जाएगा। कभी कहते हैं कि ऐसा नहीं होगा। कभी फिर कह दिया जाता है कि ऐसा होगा। कॉलेज में पहुंचने वाले युवा को कहते हैं कि कोई सा भी विषय लेकर पढ़ा जा सकता है। फिर कभी कहते हैं कि ऐसा संभव नहीं है। कभी कहते हैं कि सेमेस्टर व्यवस्था लागू हो रही है। कभी कहते हैं कि यह व्यवस्था ख़त्म हो गई है। यानी सब कुछ गड्ड-मड्ड है। और ऐसा नहीं है कि यह सब कुछ अनायास ही हो रहा है, यह एक सोची - समझी रणनीति के तहत किया जा रहा है ताकि देश का युवा इतना भ्रमित और अनुपयोगी हो जाए कि वह कोई रोजगार पानी के लिए संघर्ष ही न कर पाए।

इस समय हम भारत के लोग विस्मित भी हैं और व्यथित भी। परिपक्व होती उम्र में हमें यह आभास हो रहा है कि हमने पालने में जिस पूत के पैर देखे थे वह तो वैसा निकला ही नहीं। हमने जो स्वप्न संजोए थे, वह तो मूर्त रूप लेते दिखाई नहीं देते। हमने जो संकल्प ग्रहण किए थे उनकी धज्जियां हमने ही उड़ा दी। हमने जो वचन दिए थे उन्हें पूरा करने के लिए अपने प्राणों को उत्सर्ग करने की बजाए उन वचनों को ही उत्सर्ग कर दिया। हम भारत के लोग एक ऐसे समय में जी रहे हैं जहां हमारे समक्ष कई सारे ऐसे प्रश्न खड़े हैं जिनका उत्तर हमें ही नहीं सूझ रहा है। कई बार यह कहा भी जाता है कि यह नया भारत बन रहा है। यक़ीनन यह भारत नया ही बन रहा है और ऐसा बन रहा है जिसकी कल्पना हमने कभी की ही नहीं थी। जिस भारत की कल्पना की गई थी वह तो कहीं और निकलता दिखाई दे रहा है।

हम भारत के लोग चिंतित इसलिए भी है कि हमारी शिक्षा और हमारे स्वास्थ्य को लेकर जो चिंताएं की जाना थी वह आज तक नहीं की गई। आज भी देश में यह तय नहीं है कि बच्चों को शिक्षा कैसी दी जाए। हर दिन शिक्षा को लेकर एक नया आदेश सामने आता है। यह लगता है कि करना क्या है और क्या नहीं? हाई स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को कभी हम कहते हैं कि बेस्ट फाइव पढ़कर वह पास हो जाएगा। कभी कहते हैं कि ऐसा नहीं होगा। कभी फिर कह दिया जाता है कि ऐसा होगा। कॉलेज में पहुंचने वाले युवा को कहते हैं कि कोई सा भी विषय लेकर पढ़ा जा सकता है। फिर कभी कहते हैं कि ऐसा संभव नहीं है। कभी कहते हैं कि सेमेस्टर व्यवस्था लागू हो रही है। कभी कहते हैं कि यह व्यवस्था ख़त्म हो गई है। यानी सब कुछ गड्ड-मड्ड है। और ऐसा नहीं है कि यह सब कुछ अनायास ही हो रहा है, यह एक सोची - समझी रणनीति के तहत किया जा रहा है ताकि देश का युवा इतना भ्रमित और अनुपयोगी हो जाए कि वह कोई रोजगार पानी के लिए संघर्ष ही न कर पाए।

हम भारत के लोग यह बताने की स्थिति में नहीं हैं कि शिक्षा देने के बाद बेरोजगारों की एक बड़ी फौज जो देश में खड़ी हो रही है उनका क्या किया जाए। करोड़ों युवा बेरोज़गार घूम रहे हैं उन्हें देने के लिए रोज़गार नहीं है। जिस युवा की शान में हम कई बार हमारे पुरखों का नाम बड़े आदर और सम्मान के साथ लेते हैं आज वही युवा दिशाभ्रम का शिकार है। उसके सामने कोई लक्ष्य नहीं है और उसकी आंखों को लक्ष्य देने की क्षमता हम में नहीं है। हम उसे सफलता की राह बताने के बजाए ऐसे सपनों में उलझा रहे हैं जिसमें से निकलकर उसका जीवन खराब ही होना है। इस इस बात से ही समझा जा सकता है कि हम अपने देश में जितने इंजीनियर बना रहे हैं वह अमेरिका और चीन से भी ज़्यादा है। यानी हर वर्ष इतने इंजीनियर हमारे यहां बन रहे हैं कि उन्हें समायोजित करने के लिए कहीं जगह नहीं है। ऐसे में पढ़ लिखकर भी युवाओं को क्या हासिल हो रहा है, इसका जवाब देने की स्थिति में हम नहीं हैं। सरकारी स्कूलों को गर्त में धकेल कर निजी विद्यालयों की स्थापना और सरकारी विद्यालयों को भी निजी ठेकों पर चलाए जाने का प्रपंच भी यहां रचा जा रहा है। यानी एक परी की पूरी पीढ़ी को बर्बाद किया जा रहा है।

हम भारत के लोग स्वास्थ्य के मोर्चे पर पूरी तरह पराजित से खड़े हैं। आज तक हम उस परिकल्पना को मूर्त रूप नहीं दे पाए हैं कि हमारे यहां व्यक्ति बीमार कैसे होता है। स्वास्थ्य का अर्थ यह नहीं है कि जो बीमार है उनकी चिंता की जाए, उन्हें उपचार दिया जाए, बल्कि स्वास्थ्य का उद्देश्य यह होता है कि ऐसे कौन से उपाय किए जाएं जिससे कोई बीमार ही न हो। यह सुनकर आश्चर्य होता है की दुनिया में कुछ देश से ऐसे भी हैं जहां चिकित्सक को इसलिए सज़ा दी जाती है कि वहां कोई बीमार कैसे हो गया। हमारे यहां तो बीमारी का इलाज न कर पाने वाले चिकित्सकों पर भी कुछ नहीं करवाई होती है। स्वास्थ्य के नाम पर तो जितना बड़ा खेल यहां चल रहा है वह बहुत चिंतनीय है। हर दिन बड़े-बड़े समूहों के अस्पताल खुल रहे हैं। हर दिन दवाइयां की बिक्री के नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। हर दिन नई बीमारियों की बात सामने आ रही है। हर दिन चिकित्सा बनाने वाले संस्थाओं के भवन बड़े होते जा रहे हैं। बीमार मनुष्य और बीमार होता जा रहा है। आज भी देश भर में चिकित्सकों की बहुत कमी है और यह कमी हमेशा बनी रहना है क्योंकि हम बीमारी पर रोक नहीं लग पा रहे हैं। जो देश बीमारी पर रोक नहीं लगा कर उपचार की नई-नई व्यवस्थाएं करता है वहां बीमारियां बढ़ती है, बीमार बढ़ाते हैं लेकिन वहां का स्वास्थ्य बेहतर कभी नहीं होता। हम आज तक यह भी तय नहीं कर पाए हैं कि हमारे आम इंसान को स्वस्थ रखने के लिए और निरोगी रखने के लिए क्या किया जा सकता है।

अफ्रीकी कवि ए.एन.सी. कुमालो कहते हैं -

कवि तुम लोगों को बताओ/ कि सपने सच्चाई में बदल सकते हैं/ तुम आज़ादी की बात करो/ और धना सेठों को सजाने दो/ थोथी कलाकृतियों से अपनी बैठकें/ तुम आज़ादी की बात करो/ और महसूस करो/ लोगों की आंखों में/ जंग शक्ति की भाव ऊष्मा/ जो जेल की सलाखों को/ सरपत घास की तरह मरोड़ देती है।

हम भारत के लोग इस मोर्चे पर भी सफल होते नहीं दिख रहे हैं क्योंकि यहां रचनाधर्मियों को ही अलग-अलग ख़ेमों में बांटने का खेल चल रहा है। जिस रचनाकार को सदैव प्रतिपक्ष में खड़े होकर अपनी बात आम जनता के हक में करना है चाहिए वह दास मुद्रा में खड़ा। ऐसे में हमसे आम आदमी उम्मीद रखे भी तो क्या? कमोबेश यही खेल हमारी सामाजिक संरचनाओं पर भी हो रहा है। समाज के ताने-बाने को पूरी तरह ध्वस्त किया जा रहा है और पूरे समाज से सौहार्द्र और प्रेम की भावना को ख़त्म किया जा रहा है। ये सब ऐसे कारण है जिन पर चिंता और चिंतन करने की हमें आवश्यकता है।

निश्चित रूप से देश आज परिपक्व स्थिति में खड़ा है। कई सारे ऐसे पक्ष हैं जिन पर यदि ग़ौर किया जाए तो देश ने बहुत उपलब्धियां भी हासिल की हैं। गौरव भी प्राप्त किया है। लेकिन वह क्षणिक गर्व देने वाला विषय हो सकते हैं। एक बहुत बड़ा भाग और कहना चाहिए बिल्कुल प्रारंभिक भाग जिस पर चिंतन किया जाना चाहिए और जिस दिशा में कार्य किया जाना चाहिए वहां हमारी उपस्थित बिल्कुल नगण्य है। समाज को बलगला कर किसी देश को मज़बूत करने की कल्पना नहीं की जा सकती। दुनिया के सामने अगर भारत मज़बूती से खड़ा है तो सिर्फ़ इसलिए कि यहां लोगों के बीच समन्वय, अनेकता में एकता और सांप्रदायिक सौहार्द्र की भावना है। यदि यह सब ख़त्म होते हैं तो फिर यहां क्या रह जाएगा ? हम अपनी नींव को मजबूत करने की दिशा में तो कुछ कदम उठा ही नहीं पा रहे हैं लेकिन जो ताक़त हमारे पास हमारे स्वाभाविक और आपसी समन्वय से बनी हुई है यदि उसे भी ख़त्म कर दिया जाएगा तो फिर यह देश किस दिशा में जाएगा यह कहा नहीं जा सकता।

दुनिया के कई देश जो लोकतंत्र पद्धति से तानाशाही प्रवृत्ति में बदल गए वहां की परिस्थितियां बड़ी खराब है। ऐसी परिस्थितियों में जनता का प्रतिकार क्षणिक रूप से अनुचित आवश्यक प्रतीत होता है मगर यह दबी हुई आवाजों की सामूहिक पीड़ा का स्वर है। हम भारत के लोग इस मामले में बहुत ख़ुशनसीब हैं कि हमारे यहां सदैव से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा होती रही है। देश की आज़ादी के सात दशकों बाद देश में आम आदमी और मज़बूत हुआ है। अधिक अधिकार संपन्न हुआ है। फिर भी इस वक्त इन बातों पर ग़ौर करने की ज़रूरत है कि उसे किस तरह और अधिक सुखी और संपन्न बनाया जा सकता है। किसी भी देश की पहचान उसके लोगों से होती है। देश की ख़ुशहाली और संपन्नता हर नागरिक की संपन्नता से पहचानी जाती है। यदि यह संपन्नता बनी रहेगी तो देश भी संपन्न बना रहेगा, समृद्ध बना रहेगा।

हम भारत के लोग इस दिशा में चिंतन भी करें और बहुत निष्पक्ष भाव से विचार करें। हमने जिन उद्देश्यों से आज़ाद भारत में कदम बढ़ाना शुरू किए थे वे कहां तक पूरे हुए और कहां तक हम पहुंचे इस बात पर भी विचार करने की आवश्यकता है।

विश्व राजनीति

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

युद्धमुक्त विश्व के ट्रंप के संकल्पों की रोशनी

राष्ट्रपति के तौर पर अपने दूसरे कार्यकाल पर लौटने से पहले ट्रंप ने 'तीसरा विश्व युद्ध' रोकने की कसम खाकर दुनिया में शांति, अमन एवं अयुद्ध की संभावनाओं को बल दिया है। 47वें राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप ने शपथ से एक दिन पहले गाजा में हुए युद्ध विराम का क्रेडिट भी लिया। रूस और यूक्रेन युद्ध भी खत्म करने की प्रतिबद्धता दोहरायी गयी है। बावजूद इनके विश्व युद्ध के कयास तेजी से लग रहे हैं। इसे लेकर भी कई सवाल उठते हैं कि क्या सच में तीसरा विश्व युद्ध होना इतना आसान है? लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'मैं यूक्रेन में युद्ध खत्म कर दूंगा। मैं मध्य पूर्व में अराजकता रोक दूंगा और मैं तीसरे विश्व युद्ध को होने से रोक दूंगा।' निश्चित ही ट्रंप के इन संकल्पों से अमेरिका में एक नए युग का आगाज हो रहा है, जो दुनिया में भी एक नई युद्ध मुक्त समाज-संरचना के बड़े बदलावों की ओर इशारा कर रहा है। राष्ट्रपति चुने जाने के बाद से ही ट्रंप कई संकेत ऐसे दे चुके हैं, जिनसे लगने लगा है कि दुनिया बदलने वाली है। ये बदलाव इस बात पर केंद्रित रहेंगे कि अमेरिका को फिर एक बार महान बनना है। यह 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' का नारा डोनाल्ड ट्रंप की एक नई पहचान बन गया है और बहुत संभावना है कि इस बार ट्रंप अपने सपने को साकार करने के लिए दुस्साहस का भी परिचय देते हुए युद्ध की मानसिकता वाले देशों की सोच में बदलाव का कारण बन जाये।

विश्व में अनेक देशों के बीच युद्ध चल रहे हैं एवं ऐसे ही युद्ध की व्यापक संभावनाएं बनी हुई हैं। विश्व युद्ध कई कारणों से शुरू हो सकते हैं। जैसे राष्ट्रवाद यानी अपने देश के प्रति अत्यधिक लगाव और अन्य देशों के प्रति घृणा। जब राष्ट्रवाद चरम पर पहुंच जाता है तो युद्ध की स्थिति पैदा हो सकती है या फिर एक शक्तिशाली देश दूसरे देशों पर अपना अधिकार जमाना चाहता है, तो इससे युद्ध की स्थिति पैदा हो सकती है। इसके अलावा देशों के बीच आर्थिक प्रतिस्पर्धा भी युद्ध का कारण बन सकती है। साथ ही धार्मिक मतभेद भी युद्ध का कारण बन सकते हैं और किसी देश में राजनीतिक अस्थिरता होने पर पड़ोसी देशों में भी अशांति फैल सकती है और युद्ध की स्थिति पैदा हो सकती है। युद्ध की इन व्यापक संभावनाओं पर ट्रंप के संकल्प से विराम लगना विश्व की समाज-व्यवस्था, आर्थिक विकास एवं सह-जीवन के लिये एक शुभ संकेत है। क्योंकि विश्व युद्ध के परिणाम बहुत ही विनाशकारी होते हैं। इसमें लाखों लोग अपनी जान गंवा देते हैं। युद्ध से देशों की अर्थव्यवस्था को भी भारी नुकसान पहुंचता है। साथ ही युद्ध से समाज में अस्थिरता फैल जाती है, महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी बढ़ जाती है और युद्ध के बाद देशों के राजनीतिक नक्शे में बदलाव आ सकता है।

अमेरिका दुनिया में अमन चाहता है और नये राष्ट्रपति ट्रंप ने यदि किसी भी देश के युद्ध में सेना नहीं भेजने का संकल्प लिया है तो इससे दुनिया में युद्ध की संभावनाओं पर विराम लगना तय है। क्योंकि अब तक शक्तिशाली राष्ट्र अमेरिका ही दुनिया मे युद्ध की भूमि तैयार करता रहा है, अपनी सेना एवं सैन्य सामान भेज कर युद्ध की भूमि को उर्वरा बनाता रहा है। विश्व समुदाय कई संकटों का सामना कर रहा है- संघर्ष और हिंसा, आतंक एवं अलगाव, युद्ध एवं राजनीतिक वर्चस्व, गरीबी एवं बेरोजगारी, लगातार सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ, पर्यावरणीय संकट और दुनिया भर के लोगों के स्वास्थ्य और भलाई के लिए चुनौतियाँ आदि जटिलतर स्थितियों के बीच ट्रंप के नये संकल्प एवं योजनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। आज युद्ध और तनाव की समस्या बढ़ती जा रही है। हथियारों का उत्पादन लगातार बढ़ता जा रहा है। हर देश परमाणुशक्ति संपन्न बनने के लिए प्रयासरत है। यह एक अजीबोगरीब स्थिति है। युद्ध की आशंका को खत्म करने के लिए हथियारों का जखीरा बढ़ाया जा रहा है। पहले बीमारी पैदा की जा रही है, फिर उसके इलाज का उपाय ढूंढा जा रहा है। इसमें अब तक अमेरिका की ही सर्वाधिक भूमिका रही है, लेकिन अब उसके नये राष्ट्रपति की युद्धमुक्त विश्व संरचना की सोच से दुनिया में शांति एवं अमन कायम होगा। युद्ध से कभी किसी का भला नहीं होता। वह सदैव अपने पीछे दुख भरी यादें छोड़कर जाता है। युद्ध से किसी मां का बेटा उसे बिछड़ जाता है, किसी बहन का भाई उससे बिछड़ जाता है, कोई स्त्री अपने पति को खो देती है, कोई बेटी अपने पिता को खो देती है। इस तरह युद्ध केवल जान लेता है। इसके अलावा युद्ध से संपत्ति भी नष्ट होती है एवं विकास अवरूद्ध होता है। इसके विपरीत यदि सब जगह शांति हो, लोग आपस में नहीं लड़ें, देशों में आपस में युद्ध नहीं हो, तो विकास होता है।

ट्रंप ने अमेरिकी राजनीति के तेवर-कलेवर को तो बदला ही है और वह वहां लोकतंत्र को भी बदलने जा रहे हों, तो कोई आश्चर्य नहीं। उनकी टीम के अनेक दिग्गज परिवर्तन के आकांक्षी हैं। न जाने कितने परिवर्तन ट्रंप के शासन में लागू होंगे। उम्मीद करनी चाहिए कि ट्रंप की नई टीम अमेरिकी परंपराओं का यथासंभव निर्वाह करते हुए ही देश को फिर से महान बनाएगी। लेकिन इस बार अमेरिकी परम्पराओं में युद्ध एवं हिंसा के स्थान पर शांति, विकास एवं हथियार मुक्ति के संकल्प होना बड़ी एवं राहतभरी बात है। हालांकि, अमेरिका को महान बनाने के अभियान पर कई सवाल भी हैं। क्या अमेरिकी निर्णायकों ने मान लिया है कि अमेरिका अब महान नहीं रहा? इस अभियान के नाम से तो शायद यही लगता है कि अमेरिकी विचारकों ने अपने देश के महान न रह पाने की वजहों का पता भी लगा लिया है। उनकी नजर उन अमेरिकी चालाकियों पर भी निस्संदेह पड़ी होगी, जिनकी वजह से अमेरिकियों की अक्सर आलोचना होती है। इन वजहों में युद्ध एवं हथियारों की होड़ बड़ी वजह रही है। अनेक राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि युद्ध, हिंसा, आतंकमुक्त नये अमेरिका को विकसित करने एवं विश्व में शांति के संकल्प को देखते हुए अमेरिका को शुरू से ही भारत के साथ खड़ा रहना चाहिए। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और अमेरिका सबसे पुराना जीवित लोकतंत्र है, दुनिया में युद्ध एवं आतंक के खिलाफ भारत हमेशा अग्रसर रहा है, युद्ध का अंधेरा मिटाने, शांति का उजला करने एवं अहिंसा-सहजीवन की कामना ही भारत का लक्ष्य रहा है। इसीलिये भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार युद्ध विराम की कोशिश करते रहे हैं।

ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद भारत और अमेरिका के रिश्तों पर क्या असर होगा, इसे लेकर विशेषज्ञ कई तरह की उम्मीदें जता रहे। जानकारों के मुताबिक, ट्रंप के आने से भारत और अमेरिका के संबंध और गहरे होंगे। चीन को लेकर दोनों देशों की चिंता इन्हें करीब लाएगी। यह ट्रेंड पिछले पांच अमेरिकी राष्ट्रपतियों के कार्यकाल जैसा ही रहेगा। क्वाड और मजबूत होगा। प्रशासन के कई विभागों में भारत के अच्छे संबंध बनेंगे। राजनीतिक और वैचारिक तालमेल भी अच्छा रहने की उम्मीद की जा रही। इसके साथ ही रक्षा, खुफिया और सुरक्षा मामलों में दोनों देशों के बीच भरोसा बढ़ेगा। टेक्नोलॉजी में सहयोग की संभावनाएं बढ़ने के आसार हैं। सबसे अहम है भारत की युद्ध एवं आतंक मुक्त विश्व बनाने की योजना, इसको लेकर ट्रंप भी आगे आये है जो नये सूरज का अभ्युदय है। लेकिन ट्रंप का नया दौर कहीं मौखिक हमलों या कटु उद्गारों तक ही सीमित न रह जाए। इसके लिये जरूरी है कि वह भारत की शांतिपूर्ण नीतियों एवं योजनाओं को अग्रसर करें। भारत सहित तमाम दुनिया यही उम्मीद करेगी कि ट्रंप दुनिया में चल रहे बड़े युद्धों और छद्म युद्धों को रोकने में सफलता हासिल करें साथ ही आतंकवाद के खिलाफ ईमानदार रवैया अपनाये ताकि नई उबरती उभरती दुनिया में अमेरिकी सचमुच महानता का वरन कर सके।

समस्याओं को चुनौती के रूप में करें स्वीकार

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

किसी भी समस्या हो, समस्या को यदि चुनौती मानकर स्वीकार कर लिया जाए तो समस्या के समाधान का मार्ग प्रशस्त होने लगता है। यह एक मनोवैज्ञानिक तथ्य है कि जब हमारे सम्मुख कोई समस्या उत्पन्न होती है, हम विचलित हो उठते हैं। लेकिन जैसे ही उसे हम चुनौती के रूप में स्वीकार कर लेते हैं, हमारा आत्मबल विकसित होने लगता है और मन-वचन-कर्म की एकाग्रता से उससे पार पाने की मनःस्थिति बनने लगती है। समस्या रूपी चुनौती का समाधान कर पाने की सूरत खोजने की दिशा में मनोमस्तिष्क क्रियाशील अवस्था में आ जाता है। कई बार कोई समस्या इतनी बड़ी नहीं होती जितनी कि हम अपने अंतर्मन की दुर्बलता के चलते उसे मान लेते हैं।

कभी-कभी ऐसा भी होता है कि छोटी से छोटी समस्या भी हमारा जीवन दूभर कर देती है और कभी-कभी बड़ी से बड़ी समस्या भी हमें विचलित नहीं कर पाती। दरअसल हर एक समस्या व्यक्ति विशेष की स्थिति और परिस्थिति के आधार पर आकलित की जाती है। यह जरूरी नहीं कि हर एक समस्या का हर एक आदमी पर समान रूप से प्रभाव पड़ता हो। वास्तव में जिनकी इच्छाशक्ति प्रबल होती है, वे समस्या को समस्या कम और चुनौती के रूप में ही अधिक स्वीकार करते हैं। फिर उनके लिए असंभव को संभव सिद्ध करना बेहद आसान लगने लगता है। एक प्रकार से उनका आत्मविश्वास उनकी शारीरिक और मानसिक दक्षता में भी उल्लेखनीय वृद्धि कर देता है।

लेकिन यदि समस्या को समस्या के रूप में ही देखा जाए, तो आदमी उस समस्या में ही उलझकर रह जाता है। ऐसी स्थिति में स्वाभाविक रूप से उसकी प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है। इसके अतिरिक्त किसी एक समस्या के साथ उसकी पूरक समस्याओं का भी हमला होने लगता है। देखते ही देखते समस्याओं का अंबार लग जाता है। इन परिस्थितियों में आदमी हताशा और निराशा के गहन अंधकार में कहीं डूब जाया करता है। इसका सीधा असर उसके स्वास्थ्य पर भी पड़े बिना नहीं रहता। यही नहीं अपितु परिवार के किसी भी सदस्य के समस्याग्रस्त होने पर परिवार के शेष सदस्यों पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ऐसी स्थिति कभी-कभी तो शेष जीवन के प्रति मोहभंग तक कर देती है।

हर किसी की जिंदगी में समय-समय पर विभिन्न स्तर पर तमाम तरह के उतार-चढ़ाव का दौर स्वाभाविक रूप से आता ही है। ऐसा कतई नहीं होता कि सारा जीवन एक जैसी अनुकूल अथवा सकारात्मक परिस्थिति में ही व्यतीत हो। कुछ समस्याएं सर्वथा अनपेक्षित होती है, जिसकी परिकल्पना भी नहीं की जा सकती हो। लेकिन कुछ समस्याएं ऐसी भी होती है, जिसका पूर्वानुमान लगाया जा सकता हो। कभी-कभी कोई समस्या हमारी अपनी नादानी या लापरवाही के चलते भी उत्पन्न हो जाती है। जहां तक अनपेक्षित समस्याओं का सवाल है, तो उसका समाधान एकल प्रयास की अपेक्षा सामूहिक प्रयासों में ही सन्निहित होता है।

इस संदर्भ में यह एक आश्चर्यजनक तथ्य है कि कई बार ऐसा होता है कि वास्तव में तो कोई समस्या होती नहीं है, लेकिन हम अपनी कल्पनाशीलता के चलते काल्पनिक समस्याओं में ही उलझ कर रह जाते हैं। ऐसा विशेष कर तब होता है जब हम किसी विषय पर जरूरत से ज्यादा सोच विचार करने में तल्लीन हो जाते है। कभी-कभी तो अनावश्यक सोच विचार के चलते हम अपने ही विचारों में उलझ कर रह जाते हैं। दरअसल यह भी एक समस्या है, जिसका मुख्य कारण और कोई नहीं अपितु हमारा अनावश्यक सोच विचार ही है। अनावश्यक आशंकाओं को मन में पालने से मानसिक स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ सकता है। इसलिए व्यर्थ की आशंकाओं को सर्वथा तिलांजलि दे देना चाहिए।

दरअसल हमें यह समझने की जरूरत है कि जिंदगी अनमोल है। धर्म शास्त्रों की माने तो 84 लाख योनियों में भटकने के पश्चात हमें यह मानव भव मिला है। ऐसे देव दुर्लभ कहे जाने वाले मानव जीवन को हमें अनावश्यक चिंताओं का लबादा ओढ़कर यूं ही नहीं गंवाना चाहिए। माना कि जीवन है, तो जीवन में तमाम तरह की समस्याएं तो आएगी ही आएगी। वैसे भी समस्याओं ने किसका पीछा छोड़ा है! कहीं कम तो कहीं अधिक, लेकिन समस्या हर किसी के जीवन में होती है। इसलिए बेहतर यही है कि हम यह मान कर चलें कि हर एक समस्या को हम समस्या के रूप में नहीं अपितु चुनौती के रूप में स्वीकार करेंगे। वास्तव में ऐसा दृढ़ संकल्प हमारा अपना आत्मविश्वास इतना प्रबल कर देगा कि हमारी जिंदगी में असंभव शब्द ही नहीं होगा।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

सुरेश रायकवार

लेखक व्यंग्यकार हैं।

भ्रम जाल में उलझता जा रहा दयाराम जी का पोता

दयाराम जी का पोता बचपन से ही भ्रम के जाल में फंसा हुआ हैं। पोते के भ्रम का आलम यह था कि वह अपनी खुली आँखों से सारी दुनिया के नजारे देख रहा था किन्तु अपनी माँ के साथ जब सत्संग में गया तो वहाँ प्रवचन देने वाले महात्मा जी ने दुनिया को ही एक भ्रम बता दिया। सत्या ने जब माँ से इस संबंध में प्रश्न किया तो झिड़की के साथ उत्तर मिला - बड़ा होने पर सब समझ आ जाएगा!

दयारामजी का पोता जैसे-जैसे बड़ा हो रहा था उसका भ्रम भी मंहगाई की तरह बढ़ता ही जा रहा था। टीवी पर प्रसारित होने वाले विज्ञापन उसके भ्रम की आग में घी का काम करते, विज्ञापन देख के वह निर्णय नहीं कर पाता की हाइट बढ़ाने के लिए कम्पलॉन पीना उचित है या होर्लिक्स ज्यादा असरदार है। गोरे होने के लिए फेयर एंड लवली लगाऊँ या विको टर्मरिक। इसी तरह लड़की कॉलगेट करने से पटेगी या क्लोजअप से। वैसे लड़कियां तो फॉग के विज्ञापन में भी पटती नजर आती हैं। विज्ञापन देख-देखकर पोता यह भी तय नहीं कर पा रहा कि ये टूथपेस्ट दांत साफ करने के लिए हैं या लड़की पटाने के लिए। यहाँ तक कि वो कच्छा-बनियान खरीदने भी जाता तो भ्रमित हो जाता है। दुकानदार से 'फिट है बॉस वाला' कच्छा और 'अंदर की बात' वाली बनियान मांगता है।

यूं तो उसे स्कूल में बहुत से राष्ट्रनायकों के बारे में पढ़ाया गया किन्तु उनमे से वह किसी को भी अपना आदर्श नहीं बना पाया। वह तो फिल्मों के रुपहले पर्दे पर अभिनय करने वाले नायकों को ही असली नायक मान बैठा है और उन्हे ही अपना आदर्श भी मानता है। और शायद इसीलिए वह स्वदेशी छोड़कर फिल्मी हीरो जैसे ब्रांडेड कपड़े, जूते, गाड़ी आदि का ही उपयोग करता है। गर्मी के मौसम में शरीर के लिए उपयोगी नींबू की शिकंजी, गन्ने का रस, दही की लस्सी, मट्ठा आदि को छोड़कर, ठंडा मतलब भी कोकाकोला ही समझता है।

सत्यम ने जैसे ही हाई-स्कूल की परीक्षा पास की वैसे ही माँ ने कहा इसे डॉक्टर बनाएँगे और पिता कहते इंजीनीयर। लेकिन बेचारे सत्यम से कोई नहीं पूछता कि उसे क्या बनना है। फिर भी उसने माँ के कहने पर डॉक्टरी की पढ़ाई और पिता के कहने पर इंजीनीयरिंग की पढ़ाई के लिए होने वाले प्री-टेस्ट देने का निर्णय लिया किन्तु बदकिस्मती से उन दोनों टेस्ट के पर्चे लीक हो गए और परीक्षा भी निरस्त हो गई। बेचारा सत्यम ना डॉक्टर बन पाया ना इंजीनीयर। जब नौकरी करने की बात आई तब भी अनिर्णय की स्थिति में था, कभी कहता सरकारी नौकरी अच्छी रहेगी तो कभी मल्टीनेशनल कंपनी के सेलरी पेकेज और स्टेटस पर मोहित होता। किन्तु अंततः आर्थिक भेंट पूजा और जुगाड़ करके उसे सरकारी बाबू की नौकरी से ही संतुष्ट होना पड़ा।

चुनाव के मौसम में वह टीवी पर समाचार-चैनल देख-देख कर फिर भ्रमित हो गया, जब वह दूर-दूर तक चैनल देखता तो सत्तारूढ़ दल की उपलब्धियां और उनके विकास के वादे सुन-सुन कर मन बनाता कि इसी पार्टी को वोट दूंगा किन्तु जैसे ही उसके पिताजी तू-तू मैं-मैं चैनल लगाते तो ऐसा लगता कि सत्तारूढ़ दल तो देश को विकास की बजाय गर्त में ले जा रहा है। तब अपने निर्णय पर फिर विचार करने लगता! वह भी बेचारा क्या करे, देश में जितनी राजनैतिक पार्टियां उतने ही चैनल, अब निर्णय ले भी तो कैसे?

इधर कोई नेता अपने प्रचार में मुफ्त राशन और रोजगार की गारंटी दे रहा है तो दूसरा मुफ्त बिजली-पानी की, तीसरा इनसे भी एक कदम आगे बढ़कर नकद एक लाख रुपये साल की लिखित गारंटी दे जाता है, अब बेचारा यहाँ भी भ्रम के भँवर में फंस के रह जाता है। जैसे-तैसे उसने एक निहायत ईमानदार नेता को वोट देने का मन बनाया तो उसी दिन शाम को नेताजी घोटाले के आरोप में गिरफ्तार हो गए। एक कोर्ट ने उन्हें दोषी मानकर जमानत नहीं दी तो दूसरी अदालत ने बिना मांगे ही जमानत दे दी। बेचारा पोता यहाँ भी फिरसे भ्रमित हो गया, अंत में उसने नोटा के बारे में गंभीरता से विचार किया। वैसे भी अपने देश में दयारामजी का पोता ही क्यों, देश के सारे मतदाता ही भ्रमित हुए पड़े है, तभी तो हर चुनाव में गठबंधन-वाला विपक्ष और गठबंधन-वाली ही सरकार चुनी जा रही है।

शराबबंदी

आरबी त्रिपाठी
लेखक स्तंभकार हैं।

लागी छूटे ना फिर भी स्वागत योग्य कदम

बच्चन जी ने जिस मधुशाला का जिक्र किया था उसका स्वरूप भी वक्त के साथ बदल गया और कम्पोजिट दुकानों, अहातों की भरमार हो गई। खैर, शराबबंदी का सीधा संबंध सरकारों के राजस्व से जुड़ा है। इसके बावजूद गुजरात, बिहार जैसे राज्यों में कथित तौर पर शराबबंदी लागू है तो चोरी छिपे और तस्करी से शराब का कारोबार चलने की रिपोर्ट सामने आती रहती है। अब मध्यप्रदेश सरकार ने धार्मिक महत्व के क्षेत्रों में शराब सेवन पर रोक लगाने की बात की है जो असंभव नहीं तो मुश्किल अवश्य प्रतीत होती है।

सोचें, यदि मशहूर कवि हरिवंश राय बच्चन अपनी कालजयी रचना मधुशाला आज के संदर्भ में लिखते तो क्या होता? मधुशाला ने तत्कालीन दौर में बड़ी धूम मचाई थी और इस पर नाना प्रकार की चर्चाएं सामने आई थी। एक ऐसे वक्त जब शराब को लेकर घोटाले उजागर हो रहे हों, चौराहों, हाई वे, क्या शहर क्या गांव कम्पोजिट दुकानें धड़ल्ले से चल रही हों और उन पर सभी तरह की बोतलें आसानी से उपलब्ध हों, अवैध जहरीली शराब पीकर जब-तब लोगों की मौत की खबरें आ रही हों तब मधुशाला में भी इनका जिक्र अवश्य होता।

बच्चन जी ने जिस मधुशाला का जिक्र किया था उसका स्वरूप भी वक्त के साथ बदल गया और कम्पोजिट दुकानों, अहातों की भरमार हो गई। खैर, शराबबंदी का सीधा संबंध सरकारों के राजस्व से जुड़ा है। इसके बावजूद गुजरात, बिहार जैसे राज्यों में कथित तौर पर शराबबंदी लागू है तो चोरी छिपे और तस्करी से शराब का कारोबार चलने की रिपोर्ट सामने आती रहती है। अब मध्यप्रदेश सरकार ने धार्मिक महत्व के क्षेत्रों में शराब सेवन पर रोक लगाने की बात की है जो असंभव नहीं तो मुश्किल अवश्य प्रतीत होती है।

शराब को सस्ती करने की बात भी की गई है। सोचें, जब धार्मिक महत्व के क्षेत्रों में होटलें, रेस्टोरेंट, रिजॉर्ट आदि पहले से चल रहे हैं जिनमें लाजमी है कि शराब भी परोसी जाती होगी फिर टूरिज़्म की होटलों रिजॉर्ट में तो विदेशी सैलानी ठहरते हैं जिनके लिये मंहगी शराब पीना और मौज मस्ती मामूली बात है वहां क्या टूरिस्ट हवा पानी बदलने आयेंगे? मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उज्जैन समेत मैहर, दतिया, पन्ना और मुलताई के नगरीय निकायों की सीमा में शराबबंदी हो सकती है। ओंकारेश्वर, ओरछा, महेश्वर, मंडलेश्वर, अमरकंटक, चित्रकूट, नरसिंहपुर और सलकनपुर में शराब सेवन पर पूर्व से रोक है।

इस तरह कुल 13 शहरों में शराबबंदी से अनुमानित 400 करोड़ के राजस्व नुकसान का अंदाजा लगाया जा रहा है। हालांकि धार्मिक सामाजिक और सुरक्षा की दृष्टि से शराबबंदी जितनी भी जगह लागू की जाती है यह स्वागतयोग्य कदम कहा जायेगा।

दूसरी ओर जहां सरकारें 'ऋणम कृत्वा घृतम पीवेत' के चार्वाक के सिद्धांत पर अमल पर बाजार से कर्जा लेकर चलाई जा रही हो वहां राजस्व हानि की भरपाई कैसे हो पायेगी यह वित्तीय सलाहकारों के समक्ष चुनौती होगी। खबर तो यह भी आई है कि आबकारी नीति 2025-26 के प्रस्तावित ड्राफ्ट को कैबिनेट सब कमेटी से मंजूरी भी हो गई है। यह नई नीति कब लागू होगी इसे लेकर स्पष्ट रूप से कुछ कहा नहीं जा रहा तभी विपक्षी दल कांग्रेस ने इसे स्टंटबाजी बताया तो नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सिर्फ कहने से शराबबंदी नहीं हो सकती। यानी इसे लेकर भी सियासत शुरू हो गई है। बड़े शहरों, कस्बों, गाँवों और हाईवे पर चल रही कम्पोजिट शराब दुकानों के फैसले पर भी पुनर्विचार की दरकार है। इससे शराब सेवन खुलेआम की प्रवृत्ति और अपराध भी बढ़ने की आशंका है बल्कि ऐसा हो भी रहा है।

इस मुद्दे पर कुछ समय पहले मेरी एक सेवानिवृत्त डीजीपी से अनौपचारिक चर्चा हुई। उन्होंने बड़ी दृढ़ता से कहा था कि पूर्ण शराबबंदी संभव नहीं है तो कम से कम शराब की दुकानें शाम 7 से 8 बजे के बीच बंद कर दी जाना चाहिये। इससे काफी कुछ फर्क पड़ेगा तथा अपराधों में भी कमी आ सकती है। घरेलू हिंसा और सड़कों पर लड़ाई झगड़ों पर काबू पाया जा सकेगा। पूर्व डीजीपी ने कहा था कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान यह सुझाव तत्कालीन सरकार को दिया भी था। राजस्थान में हमने खुद देखा और पाया कि वहाँ शराब की दुकानें रात 8 बजे तक बंद हो जाती है। ये पूर्व डीजीपी इतने बड़े पद पर रहते हुए भी इतने विनम्र, सहज और सरल है कि पुलिस अधिकारियों के लिये एक मिसाल है। अक्सर भोपाल की शाहपुरा मंदिर पहाड़ी पर उनसे अभिवादन का आदान-प्रदान हो जाया करता है। हालांकि उनके निवास के आसपास तेजी से बढ़ते कमर्शियल गतिविधियों के चलते उन्होंने अपना आवास बदल लिया है।

राजधानी भोपाल की ही बात की जाये तो पुलिस कमिश्नर ने सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन करने वालों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिये थे। यह भी कहा था कि ऐसा होने पर टीआई के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। कलेक्टर भोपाल ने भी कार्रवाई करने को कहा था। इसके बावजूद खुलेआम धड़ल्ले से शराब दुकानों के आसपास यह सब चल रहा है।

शाहपुरा के मनीषा मार्केट के सामने तो एक अस्पताल और बस स्टाप के समीप ऐसी दुकान सजी हुई है। थोड़ी दूर मंदिर स्थित है जहां महिलाओं, छात्राओं का आना जाना लगा रहता है। क्षेत्र के रहवासियों के कई बार विरोध के बावजूद दुकान नहीं हटी तो नहीं हटी। मंदिरों पर भीड़ से ज्यादा शराब दुकानों के आसपास भीड़भाड़ रहती है। इस बीच नये कानून के मुताबिक शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर जुर्माने की राशि बढ़ाकर दस-पन्द्रह हजार कर दी गई है। इससे पहले यह दो हजार रुपये थी। वैसे भी शहरों के ट्राफिक सिस्टम को बिगाड़ने वालों में शराब पीकर वाहन चलाने वाले, नौसिखिये और नव धनाड्य वर्ग के युवा, बाइकर्स, ऑटो और अब ईरिक्सा चालक शामिल है। ऐसे लोगों की लापरवाही से कई लोग अपनी जान से हाथ धो बैठते हैं।

सो, शराबखोरी की बढ़ती प्रवृत्ति ना केवल पीने वालों को बल्कि आम लोगों, सड़कों से गुजरने वाले सीनियर सिटीजन, महिलाओं, छात्र-छात्राओं की सुरक्षा के लिहाज से बहुत खतरनाक है और इस पर नियंत्रण की दरकार है। शराब ने कई घरों, परिवारों को बर्बाद किया है।

निर्मल हास्य

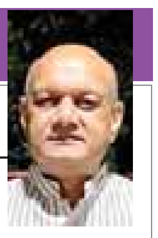

रमेश रंजन त्रिपाठी
लेखक व्यंग्यकार हैं।

बयान बहादुर: एक वाक्य में पूरे पेज का बयान

वे यूँ ही बयान वीर नहीं कहलाते। जैसे दानवीर किसी याचक को खाली हाथ नहीं लौटाते थे, वैसे ही इनके सामने से कोई माइक या कैमरा बिना बयान लिए वापस नहीं जाता। उनकी बयानबाजी की दरियादिली के कारण मुक्त हस्त से दान देनेवाले और बिना लगाम के जबान चलानेवालों के बीच श्रेष्ठता का निर्णय फोटो फिनिश से होने की नौबत आ जाती है। बयान देते समय वे आगा-पीछा नहीं सोचते। उन्हें अपनी हैसियत का ध्यान नहीं रहता। वे भूल जाते हैं कि किस बात को कहना चाहिए और किसे नहीं। वे कहा करते हैं कि मुँह और जिह्वा यहीं रह जानी है, कौन सा कोई बयान लेकर आए थे जो ले जाने के लिए बचाकर रखें। उनके मुक्त कंठ से जब बयान की अविरल धारा निःसृत होने लगती है तब आसपास वालों को बाढ़ आने का अंदेशा होने लगता है। कलकल करती बयान की सरिता तमाम अड़चनों और रोक-टोक की चट्टानों को चीरती हुई खबरों के समुद्र में समाने लगती है।

वे जबान लड़ानेवालों के आदर्श हैं। उनकी बातें सुनकर बातचीत और भाषण के शौकीन बोलने के पैंतरे सीखते हैं। कब बयान देना है और कब बयानबाजी से बचना है, इन दाँवपेंचों के उस्ताद हैं वे। अक्षर, शब्द और वाक्य विन्यास के चलते-फिरते विद्यालय हैं। स्वर के ऊँच-नीच की साधना उनसे सीखने लायक है। चमचों ने सलाह दी है कि अपनी बयानबाजी की शैली का पेटेंट करा लें, या तो इनकम शुरू हो जाएगी या नाम रोशन हो जाएगा। वे अपनी लोकप्रियता के चलते मीम बनानेवालों से भी पैसे ऐंठने के चक्कर में हैं लेकिन दाल गल नहीं रही।

जब से देश में वीर जवानों का 'नया दौर' आया तब से बयानवीरों में भी नया जोश आ गया। बयानबाजी में बहादुरों के बीच होड़ सी लगी रहती है। ऐसे वीरता के माहौल में सबको पछाड़ते हुए अव्वल दर्जे के खिताब को हासिल करने की उनकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है। आजकल बयानों के अनेक रंग और रूप मीडिया में छाए रहते हैं। प्रेसवार्ता, सोशल मीडिया, न्यूज चैनल, अखबार, सम्मेलन, मीटिंग, रैली आदि न जाने कितने अवसर तैयार बैठे रहते हैं बयानों को लपकने और नमक-मिर्च लगाकर पब्लिक डोमेन मे परोसने के लिए। कभी-कभी मसाला ज्यादा हो जाने पर फ्लेवर को ठीक करने के लिए बयान बहादुर को मुकरना, संशोधन, तोड़ना-मरोड़ना, खेद प्रकट करने जैसे उपायों का सहारा लेने की नौबत भी आ जाती है।

प्राचीन कथा है कि एक याचक ने अनुष्ठान हेतु दानवीर से चंदन की लकड़ियाँ माँगी। उस समय दानवीर के पास चंदन की लकड़ियाँ नहीं थीं। परंतु, याचक को खाली हाथ न लौटाने के संकल्प को पूरा करने के लिए उन्होंने अपने महल को गिराना शुरू कर दिया ताकि उसमें लगी मलयज काष्ठ भिक्षुक को दे सकें। कई बयानवीर इस कहानी को इतना हृदयंगम कर लेते हैं कि अपनी संस्था को नुकसान पहुँचाकर भी कैमरा और माइक की झोली में बयान डाले बिना वापस नहीं जाने देते।

उस दिन ऐसे ही बयानबाज अपने मुँह की सिकाई करते हुए मिल गए। ऐसा लग रहा था जैसे किसी बल्लेबाज़ ने बॉल को ऐसे पीटा हो कि वह लौटकर गेंदबाज़ को ही घायल कर दे। उसने पूछ लिया- 'क्या हुआ? बयान का इन्फेक्शन लग गया क्या?'

'जैसे ही बयान मुँह से निकलने को हुआ कि जबान स्लिप हो गई', वे कराहते हुए बोले- 'खराब बयान पर स्कोर करने से कौन चूकता है? सामनेवाले ने सीधा मुँहतोड़ जवाब वाला शॉट जड़ दिया। कुछ समय मुँह को सहलाना पड़ेगा।'

'अकल ठिकाने आई या नहीं?' उसने चुटकी ली।

'एकाध ओवर खराब हो जाने से गेंदबाज बॉलिंग करना नहीं छोड़ देता।' उन्होंने एक वाक्य में पूरे पेज का बयान दे डाला था।

सामयिक

सपना सी.पी. साहू 'स्वप्निल'

सोशल मीडिया और महाकुंभ की व्यथा

दूसरी ओर हम सब देख रहे हैं कि जो जीवन में शांति के लिए अध्यात्म की ओर बढ़ रहे आईआईटी किए अभय सिंह को, जो इतना पढ़ा-लिखा, ज्ञानी होने के बाद ढोंगी बनाने में लगे है। जबकि, वह भूल रहे है कि आध्यात्मिक होना ही सनातन धर्म का अंतिम पड़ाव है। हमारे चार आश्रमों में पहला ब्रह्मचर्य, दूसरा गृहस्थ, तीसरा वानप्रस्थ और चौथा संयास ही है। यह जरूरी भी नहीं की गृहस्थ आश्रम में हर कोई प्रवेश करें। उस समझदार के बारे में बहुत गलत बोल रहे है। उसके निजी जीवन और उसके घर तक पहुंच गए है। किसी को वानप्रस्थ होने के बाद जबरदस्ती इतना परेशान क्यों किया जा रहा है। उसका जीवन है वह जैसे चाहे जीने दो।

महाकुंभ में मोनालिसा ने अपनी व्यथा, उसकी ही जुबानी सुनाई। जिसे सुनकर लगा कि अध्यात्म, आस्था के अद्वितीय महाकुंभ में यूट्यूबर, इंफ्लूएंसर और गलत सोच वालों के कारनामों के चलते एक सोलह साल की बच्ची, जो भगवान की दी सुंदर आंखों की वजह से, सुंदर शक्ल की कारण से किस तरह परेशान हो रही है। किस तरह उसे बड़ी भीड़ घेर रही है, उसके साथ फोटो खींचा रही है। कुछ तो उद्दंडता के चलते उठा ले जाने की धमकी भी दे रहे है।

ऐसी स्थिति बहुत दुखद है, निम्न मानसिकता रखने वाले इंफ्लूएंशर की स्थिति जो निरंतर किसी को लेकर अफवाहें फैलाते रहते है। ताकि सोशल मीडिया पर उनकी रील वायरल हो और वे लोग सोशल मीडिया के जरिए पैसे कमा सके। वे इसके लिए उन दीन, हीन, शांति की राह पर चलने वाले जैसे सबको परेशान कर सकते है। वे जो कमाकर खाना चाह रहे है, उनको खाने-कमाने तक नहीं दे रहे है।

दूसरी ओर हम सब देख रहे है कि जो जीवन में शांति के लिए अध्यात्म की ओर बढ़ रहे आईआईटी किए अभय सिंह को, जो इतना पढ़ा-लिखा, ज्ञानी होने के बाद ढोंगी बनाने में लगे है। जबकि, वह भूल रहे है कि आध्यात्मिक होना ही सनातन धर्म का अंतिम पड़ाव है। हमारे चार आश्रमों में पहला ब्रह्मचर्य, दूसरा गृहस्थ, तीसरा वानप्रस्थ और चौथा संयास ही है। यह जरूरी भी नहीं की गृहस्थ आश्रम में हर कोई प्रवेश करें। उस समझदार के बारे में बहुत गलत बोल रहे है।

उसके निजी जीवन और उसके घर तक पहुंच गए है। किसी को वानप्रस्थ होने के बाद जबरदस्ती इतना परेशान क्यों किया जा रहा है। उसका जीवन है वह जैसे चाहे जीने दो।

दूसरी ओर, ग्लैमर और सोशल मीडिया में डूबी, मॉडल सी हर्षा रिछारिया जो महिला सनातन धर्म को जानने पहुंची थी तो उसके बनावट, श्रंगार पर, उसकी लाइफ स्टाइल पर वीडियों बना रहे है। उसकी पुरानी वीडियों, फोटो निकालकर उसको चरित्रहीन बताने तक में लग गए है। अरे भाई, सबका अपना-अपना तरीका है रहन-सहन का, क्या करना है इससे।

वही विडंबना ये भी देखिए कि मजे करने के लिए पहुंचे इंफ्लूएंशर सुंदर साध्वियां खोज रहे है। साध्वियों को 1, 2, 3, 4 रैंकिंग दे रहे है। क्या महाकुंभ में सौन्दर्य प्रतियोगिता चल रही है। क्या महाकुंभ कुछ ओछी मानसिकता वालों की इस तरह की हरकतों के चलते विधर्मियों के बीच हास्यास्पद नहीं बन रहा है?

जो इंफ्लूएंशर, साधु संतों को मीडिया में लाना चाह रहे है। सोचने का विषय है अगर वे फेमस होने कि लालसा रखते तो वे सिर्फ कुंभ के मेले में ही क्यों दिखते? हम सब जानते है कि धार्मिक कुंभ के आयोजन के अलावा, यह साधु संत स्वयं कहा जाते है वह आम जन के लिए रहस्य ही है। ये महान साधु संत पब्लिसिटी के लिए नहीं निकले है। ये पुण्य के लिए महाकुंभ में आए है।

वैसे जो प्रसिद्ध होना चाहते है वे, खुद अपना प्रचार-प्रसार कर लेंगे। लेकिन जो नहीं चाहते तो कोई साधना में रुकावट डालने, मोबाइल, कैमरा और माइक लेकर क्यों पहुंच रहे है, ऐसे लोग। यह कैसी शालिनता दिखा रहे है इंफ्लूएंशर? विचारणीय है। सभ्य समाज में एक साजिश के तहत, उद्दंडता फैलाने का और सनातनियों की आस्था का मजाक बनाने का तरीका हो रहा है, यह सब। जरूर सोचिए।

समझने वाली बात है जो लोग बाबाओं को परेशान कर रहे है, तो बाबा जी तो चिमटा उठाकर इन नासमझ को मार सकते है पर यह बच्ची परेशान होने के बाद भी मार नहीं सकती क्योंकि, हमारे देश में जो महिला आवाज उठाती है, तो सीधे लोग उसके चरित्र में खामियां निकालने लगते है।

जो सभ्यता से रहे नारी तो परेशान करते है और बदतमीजी करे तो अकारण गाली गलौच देते है। बस, यही मिल रहा है आजकल के सोशल मीडिया में इंफ्लूएंशरों के द्वारा चलाए ट्रेंड से।

अज्ञानी इंफ्लूएंशर अपने आपको मीडियाकर्मी बताकर भी वीडियो रिकार्ड कर रहे है, उनके द्वारा पत्रकारिता का स्तर तक प्रभावित हो रहा है। इनके चक्कर में न पड़े, सभी सावधान रहे ऐसी गलत पब्लिसिटी पाने से बचे। अभी तो महाकुंभ में मुख्यमंत्री योगी जी और पूरी उत्तर प्रदेश सरकार के अच्छे प्रबंधन को देखते हुए हम सभी सनातनी, हमारे विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक मेले महाकुंभ में श्रद्धा की डुबकी लगाकर सफल बनाए।

आग से पांच दुकानें जलकर खाक, लाखों का नुकसान

बैतूल। जिला मुख्यालय के समीप बैतूल बाजार के बाजार चौक में अज्ञात कारणों से आग लग गई। आगजनी की इस घटना में पांच दुकानें पूरी तरह जलकर राख हो गईं। घटना रात करीब ढाई बजे की बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बल्लू गुप्ता के पुराने मकान में स्थित इन दुकानों में सैलून शॉप, मोटर वाइंडिंग, पान की दुकान और शादी के सामान की दुकान में आग लग गई। आग लगने की सूचना नगर परिषद की फायर ब्रिगेड को दी। सूचना मिलते ही दमकल वाहन मौके पर पहुंची और तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के

बाद सुबह 6 बजे तक आग पर काबू पाया। मदन मालवीय ने बताया कि रात में लकड़ी जलने की तेज आवाज और धुएं से जागे, जिसके बाद मोहल्ले वालों और मकान मालिक को सूचित किया। आग की तेज लपटों को देखते हुए तुरंत बैतूल बाजार नगर परिषद और बैतूल की दमकल को बुलाया गया। आगजनी की इस घटना में दीना राठौर की मोटर वाइंडिंग की दुकान, महेश राठौर का पान ठेला, एक सैलून और मकान मालिक बल्लू गुप्ता का शादी समारोह में इस्तेमाल होने वाला सामान पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया। मकान काफी पुराना था और इसमें सागौन की लकडियां लगी होने के कारण आग तेजी से फैली। अधिकारियों की प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग का कारण माना जा रहा है।

विधायक ने किया आगजनी की घटना का निरीक्षण

आगजनी की घटना की जानकारी मिलते ही बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल भी मंगलवार दोपहर को बाजार चौक पहुंचे, उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया और पीड़ित दुकानदारों से मिलकर चर्चा की। साथ ही उन्हें दस-दस हजार रुपए की तत्काल सहायता राशि भी प्रदान की। इस दौरान विधायक ने बताया कि आधी रात को दुकानों में आग लगी थी, जिसमें बहुत नुकसान हुआ है। उन्होंने कलेक्टर से बातचीत कर नुकसान का शासन को विवरण भेजने की बात कहीं, ताकि पीडितों को अधिक अधिक से भरपाई हो सके।

यातायात का पालन करना अच्छे नागरिक की पहचान : हेमंत खंडेलवाल

बैतूल। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार यातायात विभाग, बैतूल माय भारत पोर्टल नेहरू युवा केंद्र व राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई जेएच कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के अंतर्गत मंगलवार मिलानपुर फोर लाईन पर यातायात जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत दुर्घटनाओं से बचने के लिए गन्ने से भरी ट्रैक्टर ट्रालियों में लाल कलर की रेडियम लगाकर जागरूकता के

प्रति प्रेरित किया। कार्यक्रम बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल, भाजपा जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार बैतूल पुलिस अधीक्षक व यातायात विभाग उनिरीक्षक गजेंद्र केन, डॉ.सुखदेव डोंगरे के आतिथ्य में और धनंजय सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में हुआ। इस मौके पर हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि यातायात के नियमों का हम सबको पालन करना चाहिए हम सभी का जीवन अनमोल है। यातायात नियमों का पालन करना अच्छे नागरिक की पहचान है। सुधाकर पवार ने वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग नहीं करना चाहिए। पुलिस अधीक्षक ने कहा मदिरापान कर वाहन न चलाएं। यातायात उपनिरीक्षक गजेंद्र कैन ने कहा कि टू व्हीलर पर यात्रा करने के समय हेलमेट जरूर लगाएं, टू व्हीलर पर 3 लोग सफर न करें फोर व्हीलर में सीट बेल्ट का उपयोग करें। डॉ.सुखदेव डोंगरे ने राहगीरों को यातायात के नियमों के पालन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर भाजपा नेता भुवनेश्वर भवानी गवांडे, महेश गुंजले, सुशील उदयपुरे, दयाराम सिरसाम, नितिन पवार, निकिता सिरसाम, इश्तियाक अली आदि मौजूद थे।

पुराने नागपुर रोड पर गुरुवार से प्रारंभ हो सकता है साप्ताहिक बाजार

नगर पालिका अध्यक्ष खुद कर रही है मॉनिटरिंग

बैतूल/मुलताई। साप्ताहिक बाजार को लोक निर्माण विभाग के पुराने नागपुर रोड पर लगाने की अटकलें समाप्त होने वाली है। नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गडेकर एवं बाजार की व्यवस्था संभाल रहे नगर निरीक्षक जी आर देशमुख साप्ताहिक बाजार की व्यवस्थाओं की निरंतर मॉनिटरिंग कर रहे हैं। नगर पालिका लाइब्रेरी और बिजली ऑफिस के पास जहां यह सर्व सुविधा युक्त साप्ताहिक बाजार लगाने की परिकल्पना की जा रही है नगर पालिका के सामने यहां अनेक चुनौतियां भी है जिसे तत्काल निर्णय लेकर ही हल किया जा सकता है ऐसी स्थिति में फिलहाल नगर पालिका अध्यक्ष देर शाम तक बाजार स्थल पर खड़े रहकर समतलीकरण का कार्य देख रही है । लाइब्रेरी के पास से भरण का कार्य लगभग पूर्ण होने को है और अब समतल मैदान का जो नजारा सामने आ रहा है वह बेहद ही खूबसूरत दिखाई देने लगा है। नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गडेकर ने बताया कि हमारा प्रयास है कि इस गुरुवार तक साप्ताहिक बाजार का स्थान परिवर्तन कर प्रस्तावित भूमि पर साप्ताहिक बाजार लगा दिया जाए और यह बाजार संपूर्ण जिले का सर्व सुविधा युक्त बाजार बने हमारा यही प्रयास है। शीघ्र ही यहां साप्ताहिक बाजार लगने के बाद आदर्श शौचालय भी बनाया जाएगा जहां महिलाओं के लिए अलग एवं पुरुषों के लिए अलग व्यवस्था होगी। इस बाजार में व्यापारियों और आने वाले लोगों को अवस्था ना हो नगर पालिका इसके लिए हर संभव प्रयास कर रही है। इस बार जो पर जो बाजार लगाया जाएगा वहां व्यापारियों के साथ भी पक्षपात नहीं होगा सभी व्यापारियों को अपने व्यापार के आधार पर प्लाटों का आवंटन किया जाएगा। नगर निरीक्षक जी आर देशमुख बताते हैं कि इसी सप्ताह तक साप्ताहिक बाजार लगाने की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाएगी अध्यक्ष पार्षद सभी इसके लिए सतत मॉनिटरिंग कर रहे हैं। हम लोग समतलीकरण, बाजार की व्यवस्था, रास्ते, प्लाट आवंटन से लेकर संपूर्ण रूपरेखा बना चुके हैं। हमारा प्रयास होगा कि इस गुरुवार प्रस्तावित स्थान पर बाजार लगा दिया जाए ।

नगरवासियों को चोरियों से मिलेगी निजात- पुराने नागपुर रोड पर साप्ताहिक बाजार लगने से बाजार में होने वाली चोरियों से निजात मिल सकेगी क्योंकि यहां बाजार के लिए पर्याप्त खुली जगह है और भीड़भाड़ नहीं होगी तो यहां मोबाइल चोरी और महिलाओं के आभूषणों की चोरी पर विराम लग सकेगा ।

मुलताई, बिरुल मार्ग का ठेका निरस्त ठेकेदार ब्लैक लिस्ट घोषित

नई टेंडर प्रक्रिया हुई प्रारंभ, पुराने ठेकेदार से वसूलेगा लोक निर्माण विभाग एक करोड़

बैतूल/मुलताई- अधर मे लटके मुलताई, पिसाटा, बिरुल मार्ग के निर्माण प्रक्रिया में नया मोड़ आ गया है। लोक निर्माण विभाग ने पुराने ठेकेदार रईस खान कंपनी भोपाल का ठेका निरस्त कर ठेकेदार को ब्लैकलिस्टेड कर दिया है। विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मुलताई बिरुल मार्ग के ठेकेदार द्वारा ठेका नियमों का पालन न करने की दशा में पुराने ठेकेदार की अमानत राशि जप्त कर लगभग 1 करोड़ की राशि की वसूली की जाएगी। इधर लोक निर्माण विभाग ने नई टेंडर प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी है टेंडर निकाले जा चुके हैं जो की जनवरी माह में भरे जाएंगे और 31 जनवरी को ही खोले जाएंगे। लोक निर्माण अधिकारी ने बताया की अब नई ठेका प्रक्रिया पूर्ण कर फरवरी के प्रथम सप्ताह में मुलताई, पिसाटा, बिरुल मार्ग का निर्माण कार्य प्रारंभ हो सकेगा। उल्लेखनीय है की मुलताई बीरूल बाजार मार्ग निर्माण लंबे समय से विवादों में है ठेकेदार द्वारा कार्य के प्रति लापरवाही एवं अनियमित और दूसरी ओर मार्ग की बिगड़ी हालात के चलते नागरिकों में भारी रोष है। जिसको लेकर हाल ही में नागरिकों ने आंदोलन भी किया था।मुलताई, पिसाटा, बिरुल मार्ग क्षेत्र का प्रमुख मार्ग है जो 50 से अधिक ग्रामो को मुलताई शहर से जोड़ता हैं यह मार्ग प्रमुख कृषि व्यावसायिक मार्ग भी है बिरूर क्षेत्र के 100 से अधिक ग्रामों में गोभी का उत्पादन होता है और बिरुल मार्ग से गुजर कर गोभी देश के अनेक प्रमुख शहरों में भेजी जाती है किंतु सबके बावजूद भी बीते 20 वर्षों में इस प्रमुख मार्ग की हालत सुधारने के ईमानदार प्रयास कभी नहीं हुए।

ब्लैकलिस्टेड हुआ पुराना ठेकेदार ठेकेदार से होगी वसूली करवाई- मुलताई, पिसाटा, बिरुल मार्ग 6.6 किलोमीटर का निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा मार्च 2023 को मेसर्स रहीस खान कंपनी भोपाल को दिया गया था। विभागीय जानकार बताते हैं कि 5 करोड़ 55 लाख की लागत से बनने वाले बिरुल मार्ग का कार्य ठेकेदार को 1 वर्ष में पूर्ण करना था किंतु समय अवधि में कार्य पूर्ण न होने पर लोक निर्माण विभाग द्वारा ठेका निरस्ती की कार्रवाई करते हुए नोटिस जारी किए गए जिस पर ठेकेदार ने अगस्त 2024 में अधीक्षण यंत्री नर्मदा पुरम के समक्ष अपील की जिसमें ठेकेदार को दो माह में निर्माण कार्य पूर्ण करने का कहा गया था किंतु दो महा बाद भी ठेकेदार द्वारा कार्य नहीं करने पर अब लोक निर्माण विभाग ने ठेकेदार को ब्लैकलिस्टेड घोषित कर अमानत राशि राजसात करने की कार्रवाई प्रारंभ कर दी है।

4 करोड़ 25 लाख में होगा बिरुल बाजार मार्ग निर्माण- पुराना टेंडर निरस्त किए जाने के बाद लोक निर्माण विभाग ने मुलताई, पिसाटा, बिरुल मार्ग लंबाई 6.6 के बेलेंस वर्क टेंडर जारी कर दिया है नए टेंडर की लागत 4 करोड़ 25 लाख होगी। जनवरी माह में टेंडर भरे जाएंगे और 31 जनवरी को उक्त टेंडर खोले जाएगे। अधिकारियों की माने तो फरवरी के प्रथम माह में ही टेंडर और अनुबंध की प्रक्रिया पूर्ण कर मार्ग का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा।

इनका कहना

पुराने ठेकेदार का ठेका निरस्त कर उसे ब्लैकलिस्टेड घोषित कर दिया हैं पुरानी ठेकेदार की अमानत राशि की जप्ती एवं वसूली की कार्वाई की जा रही है इसके साथ ही बैलेंस वर्क के टेंडर जारी कर दिए गए हैं। 31 जनवरी को उक्त टेंडर खोले जाएंगे और उसके साथ ही मार्ग का कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा।

- राजेश राय
लोक निर्माण अधिकारी मुलताई

उत्कृष्ट विद्यालय में संपन्न हुई एनसीसी ए सर्टिफिकेट की परीक्षा

जूनियर डिवीजन के 131 कैडेट्स हुए शामिल

बैतूल। राष्ट्रीय कैडेट कोर के ए सर्टिफिकेट की परीक्षा जिले की समन्वयक संस्था उत्कृष्ट विद्यालय में संपन्न हुई। डीजी एनसीसी व कमान अधिकारी 13 एमपी बटालियन नर्मदापुरम के निर्देशानुसार व उत्कृष्ट प्राचार्य सत्येंद्र उदयपुरे के मार्गदर्शन में आयोजित परीक्षा में जूनियर डिवीजन के 131 कैडेटस शामिल हुए। संस्था के एनसीसी अधिकारी ओम द्विवेदी ने बताया

कि एनसीसी के ए सर्टिफिकेट की यह परीक्षा दो भागों में कराई गई, जहां पहले भाग में 350 अंको की लिखित परीक्षा ली गई, जिसकी अवधि 3 घंटे थी, वही दूसरे भाग में ड्रील, मैप रीडिंग, फील्ड व बैटल क्राफ्ट से संबंधित ज्ञान को जांचा गया। परीक्षा में शामिल होने के लिए कैडेटस को 75 प्रतिशत एवं एक कैंप करना अनिवार्य होता है। परीक्षा केंद्र पर उत्कृष्ट विद्यालय के कैडेटस के साथ न्यू बैतूल कोठीबाजार, सीएम राइज कृषि विद्यालय बैतूल बाजार व सीएम राइज मुलताई के कुल 131 केडेटस ने परीक्षा दी। बाहय परीक्षक के रूप में बटालियन से आये नायब सूबेदार रामअवतार, नयाब सूबेदार सुरेन्दर सिंह एवं हवलदार अर्जुन के साथ वरिष्ठ एनसीसी अधिकारी नवनीत साहू, तृतीय अधिकारी महेश यादव व केयर टेकर सतीश कवडे को आंतरिक परीक्षक नियुक्त किये गए थे।

नि :शुल्क कृत्रिम लैंस प्रत्यारोपण जांच परामर्श एवं ऑपरेशन शिविर 6 फरवरी को

गंज सब्जी मंडी कृष्ण मंदिर के पास लगेगा मोतियाबिंद जांच एवं ऑपरेशन शिविर

बैतूल। युवा साहू समाज सेवा संगठन जिला बैतूल एवं चिरायु मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल बैरागढ़ भोपाल के तत्वावधान में एवं स्वास्थ्य विभाग बैतूल के सहयोग से जिला स्तरीय मोतियाबिंद जांच परामर्श एवं ऑपरेशन शिविर का आयोजन 6 फरवरी दिन गुरुवार को गंज सब्जी मंडी श्री कृष्ण मंदिर के पास बैतूल गंज में दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक आयोजित किया जाएगा। आयोजन समिति के अनुसार इस शिविर में मरीजों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए जरूरी है कि मरीज अपने साथ समग्र आईडी, आधार कार्ड एवं यदि आयुष्मान कार्ड है तो उसकी छाया प्रति लेकर इस शिविर में पधारे। शिविर में आवास, भोजन,जांच, ऑपरेशन,दवाइयां निशुल्क दी जाएगी एवं मरीज की सेवा आत्मीयता पूर्वक की जाएगी। जिन मरीजों की आंखों में मोतियाबिंद पाया जाएगा उन सभी मरीजों को ऑपरेशन के लिए चिरायु मेडिकल कॉलेज अस्पताल भोपाल ले जाया जाएगा एवं ऑपरेशन के बाद वापस पुनः गंज बस स्टैंड पर लाया जाएगा जहां से वे अपने घर जा सकेंगे। गोपाल साहू प्रहलाद साहू अजय जीतपूरे ने जिले वासियों से इस विशाल जिला स्तरीय मोतियाबिंद जांच परामर्श एवं ऑपरेशन शिविर का लाभ लेने का आग्रह किया है।

जनपरिषद एवं पत्रकार कल्याण परिषद के पत्रकारों ने किया पौधारोपण

गर्म कपड़ों का किया वितरण

भौरा। जनपरिषद एवं पत्रकार कल्याण परिषद के संयुक्त तत्वावधान में स्व. श्रीमती रेखा अग्निहोत्री की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर सोमवार को कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भौरा, बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कन्या माध्यमिक शाला भौरा में लायंस क्लब के सहयोग से कैंसर

की बीमारी की रोकथाम में काम में आने वाले 51 लक्ष्मीतरु के पौधों का रोपण किया गया। इसके साथ ही बेसहारा और गरीब परिवारों को ठंड से राहत प्रदान करने के उद्देश्य से बाजार चौक में गरीब एवं असहाय लोगों को गर्म कपड़ों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में अग्निहोत्री परिवार का सक्रिय सहयोग रहा और इस अवसर पर अग्निहोत्री परिवार के केपी अग्निहोत्री, राजकुमार अग्निहोत्री, राजीव, विशाल, नकुल अग्निहोत्री, पत्रकार कल्याण परिषद जिला इकाई बैतूल से संजय द्विवेदी, राधेश्याम सिन्हा, विक्की लिल्हारे, जितेंद्र गुप्ता सहित जनपरिषद के सदस्य एवं अन्य पत्रकारगण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्राचार्य एसके कटारे, शिवलाल बारसे, प्रधान पाठक अशोक सिवड़े सहित समस्त शाला परिवार का एवं ग्रामीण जनों का भी सहयोग रहा।

शिक्षा में माता-पिता की सहभागिता पर उन्मुखीकरण सम्पन्न

बैतूल। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान प्रभातपट्टन बैतूल में जिले के 79 जनशिक्षा केंद्र से आये 237 जनशिक्षक व शिक्षक का जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। शैक्षिक संवाद उन्मुखीकरण कार्यक्रम में शैक्षिक संवाद के उद्देश्य, डिजाइन सिद्धांत, साझा नियम आदि के बारे में सहजकर्ता एवं सह सहजकर्ताओं से चर्चा की गई। शिक्षको द्वारा आपस में एक-दूसरे का परिचय दिया गया एवं 2025 में कक्षा में नवाचार क्या करेंगे पर भी प्रकाश डाला गया। पूर्व संवाद के पोस्ट वर्क, अनुभवों एवं चुनौतियों पर चर्चा की गई। जिला शिक्षा केन्द्र से निपुण प्रोफेशनल तनुश्री व्यास एवं डीआरजी रितेश कुमार पठाड़े ने प्रतिभागियों को बताया कि विद्यार्थी के जीवन में स्कूली शिक्षा के अलावा उनके माता- पिता अभिभावकों की भी भूमिका अहम होती हैं. एक सप्ताह में विद्यार्थी 30 घंटे ही शाला में गुजारता हैं, बाकी समय परिवार के साथ बिताता हैं. जरूरी नहीं कि अभिभावक शिक्षित ही हो। माता-पिता ही बच्चों के पहले शिक्षक होते हैं. वे बच्चों को प्यार, मार्गदर्शन, और भाषा सिखाते हैं। माता-पिता की भागीदारी से बच्चों का आत्म-सम्मान बढ़ता है और वे सीखने के लिए ज़्यादा प्रेरित होते हैं। केस स्टडी एवं रोल प्ले के माध्यम से प्रक्रिया को स्पष्ट किया गया। ओपन फोरम, पोस्ट वर्क एवं फीडबैक फॉर्म भरवा कर उन्मुखीकरण कार्यक्रम का समापन किया गया।

शासकीय शालाओं के 5056 विद्यार्थियों की ओलम्पियाड प्रतियोगिता 22 एवं 23 जनवरी को

परीक्षा केन्द्र के अवलोकन के लिए जिला स्तर से विभागीय अधिकारियों को किया नियुक्त

बैतूल। जन शिक्षा केन्द्र स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित कक्षा दूसरी से 8 वी तक के विद्यार्थियों की जिला स्तरीय प्रतियोगिता प्रत्येक विकासखंड के चयनित परीक्षा केन्द्र पर 22 एवं 23 जनवरी को प्रातः 10 बजे से 5.30 बजे तक आयोजित की जाएगी। जिला शिक्षा केंद्र के जिला परियोजना समन्वयक ने बताया कि राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल द्वारा कक्षा 2 से 8 तक के छात्रों के लिए प्रश्नों के उत्तर देने के लिए ओएमआर शीट का उपयोग किया जाएगा। इस प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने के लिए समझ विकसित करने का अवसर प्राप्त होता है। 22 एवं 23 जनवरी 2025 को होने वाली ओलम्पियाड परीक्षा के लिए जिले में 10 परीक्षा केन्द्रों में केन्द्राध्यक्षों की नियुक्ति कर दी गई है तथा केन्द्र पर परीक्षा की सभी आवश्यक तैयारियां कर ली गई है। सभी संस्था प्रमुखों को निर्देशित किया गया है कि ओलम्पियाड परीक्षा में सभी पंजीकृत छात्रों की शतप्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित हो।

माह के अंत में एक और डॉक्टर होगी रिटायर्ड, नए स्टाफ की आमद नहीं

डॉक्टरों की कमी, जिला चिकित्सालय में डॉक्टरों के 15 पद खाली

संजय द्विवेदी, बैतूल। वैसे ही जिला चिकित्सालय में डॉक्टरों की कमी बनी हुई है। वहीं दूसरी तरफ इस महीने एक और महिला डॉक्टर सेवानिवृत्त हो जाएगी। लेकिन नए डॉक्टरों की आमद नहीं हो रही है। ऐसी स्थिति में अस्पताल की व्यवस्था संभालना मुश्किल हो गया है। अगर जिले के जनप्रतिनिधियों ने नए डॉक्टर की आमद को लेकर ध्यान नहीं दिया तो जिला अस्पताल की स्वास्थ्य सेवा सुचारू रखना बेहद मुश्किल हो जाएगा। प्राप्त जानकारी के मुताबिक जिला अस्पताल में पदस्थ महिला डॉ. आर गोहिया 31 जनवरी को सेवानिवृत्त हो जाएगी। महिला डॉक्टर के सेवानिवृत्त हो जाने से इसका असर स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ेगा। महिला चिकित्सा इकाई में डॉक्टर की कमी खल सकती है। उल्लेखनीय है कि बीते 31 नवंबर को जिला अस्पताल के दो डॉक्टर अशोक बारंगा और डब्ल्यूए नागले सेवानिवृत्त हो गए। इनके स्थान पर अभी तक नए डॉक्टर की कोई आमद नहीं हो पाई। इन दो डॉक्टरों के बाद अब महिला डॉक्टर सेवानिवृत्त होने वाली है। अस्पताल में डॉक्टर की संख्या धीरे-धीरे कम हो रही है। जिला अस्पताल में डॉक्टरों की कमी होना आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बन सकती है। जिला अस्पताल में प्रतिदिन सैकडों की संख्या में लोग उपचार करवाने पहुंचते है। ऐसे में डॉक्टरों की कमी रही तो मरीजों को परेशान होना पड़ सकता है।

डॉक्टरों के 15 पद खाली - जिला चिकित्सालय में चिकित्सकों के 49 पद स्वीकृत है। जिसके एवज में वर्तमान समय मात्र 34 डॉक्टर ही पदस्थ है, जबकि 15 पद अभी भी खाली पड़े है। जिला चिकित्सालय में प्रथम श्रेणी के 31 पद स्वीकृत है, जिसमें से 18 डॉक्टर मौजूद है, 13 पद खाली है, वहीं द्वितीय श्रेणी के 18 पद स्वीकृत है, जबकि 16 डॉक्टर मौजूद है और 2 पद रिक्त पड़े है। हालांकि डॉक्टरों के रिक्त पदो को भरने के लिए कई बार शासन से पत्राचार किया जा रहा है, लेकिन एक भी डॉक्टर की अभी तक आमद नहीं हो सकीं। डॉक्टर आने की जगह कम होते जा रहे है।

अस्पताल में पैथोलॉजिस्ट, रेडियोलॉजिस्ट डॉक्टर नहीं- नवंबर में दो डॉक्टरों के सेवानिवृत्त होने की जानकारी स्वास्थ्य विभाग को भेजी है, लेकिन इनके स्थान पर एक भी पैथोलॉजिस्ट डॉक्टर नहीं आए है। जैसे-तैसे अस्पताल की पैथोलॉजी का संचालन किया जा रहा है। वहीं रेडियोलॉजिस्ट डॉक्टर भी पिछले एक साल से जिला चिकित्सालय में नहीं है। डॉक्टरों की कमी के कारण दिन-प्रतिदिन अस्पताल के हालात बिगड़ते जा रहे है। नए डॉक्टरों की आमद को लेकर जिले के जनप्रतिनिधि भी गंभीरता से ध्यान नहीं दे रहे। जनप्रतिनिधियों द्वारा गंभीरता से ध्यान दिया गया होता तो कोई ना कोई डॉक्टरों की आमद जरूर हो जाती।

डॉक्टरों के छुट्टी पर जाते ही बिगड़ जाती व्यवस्थाएं- जिला अस्पताल में पदस्थ डॉक्टर में से यदि कोई छुट्टी पर जाते है तो अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्थाएं बिगड़ जाती है। कई बार ऐसा भी समय आता है कि पोस्टमार्टम, कोर्ट पेशी या अन्य कारण से डॉक्टर अस्पताल से बाहर रहते है और मरीजों को दिन-दिन भर परेशान होना पड़ता है। लोगों का कहना है कि अस्पताल में डॉक्टर, विशेषज्ञों की कमी और आधुनिक मशीनों को लेकर मांग भी उठी, किन्तु अब तक जिला अस्पताल में डॉक्टरों के रिक्त पदो की पूर्ति नहीं हो पाई। इसकी वजह से आमजनता को परेशानियां उठानी पड़ रही है। वहीं मरीजों की बढ़ती संख्या के सामने चिकित्सक भी बेबस दिखाई पड़ते है।

रोजाना 300 से 500 के बीच ओपीडीजिला चिकित्सालय में रोजाना शहर के अलावा पूरे जिले से मरीज आते है। यहां वैसे तो सामान्य दिनों में 300 से ऊपर ओपीडी रहती है, लेकिन वायरल फीवर जैसा संक्रमण का जिले में असर रहे तो ओपीडी 500 के भी पार पहुंच जाती है। ऊपर से दुर्घटना में घायल मरीज, गंभीर बीमारी, प्रसुता, शिशु रोग सहित अन्य बीमारियों के उपचार की जिम्मेदारी भी इन्हीं डॉक्टरों पर रहती है। ऐसे में डॉक्टरों की कमी से जिला अस्पताल में व्यवस्थाएं बिगड़ती है। जिसका खामियाजा मरीजों को तो चुकाना ही पड़ता है, साथ ही डॉक्टरों पर भी काम का प्रेशर बढ़ता है। वहीं कई मरीज अस्पताल में डॉक्टरों की कमी की वजह से अपनी नाराजगी भी जाहिर करते है।

इनका कहना है -

आगामी दिनों राज्य शासन स्तर पर बैठक होने वाली है। इस बैठक में डॉक्टरों की कमी की समस्या रखी जायेगी। इसके अलावा हमारे द्वारा डॉक्टरों के रिक्त पदो की पूर्ति के लिए लगातार पत्राचार किया जा रहा है।

- डॉ. जगदीश घोरे,
सिविल सर्जन, जिला अस्पताल बैतूल

शिक्षा

संध्या राजपुरोहित

लेखक जीवन कौशल शिक्षा के कार्य से सम्बद्ध हैं।

बच्चों के विकास का आधार है जीवन कौशल शिक्षा

देश का आगामी भविष्य बच्चे व युवा आज व्यावहारिक निर्णय लेने में अक्षमता के कारण कई गंभीर समस्याओं से जूझ रहे हैं। शिक्षा विभाग की रिपोर्ट बताती है कि मध्यप्रदेश में 12वीं पास करने वाले लगभग 40 फीसदी छात्र उच्च शिक्षा में अपने कैरियर को लेकर अनिश्चितता का अनुभव करते हैं। वहीं कक्षा 10वीं पास करने के बाद बच्चे कई प्रकार की दिक्कतों से गुजरते हैं।

अधिकांश बच्चे अपने कैरियर को लेकर स्पष्ट नहीं होते, जिसके कारण वे अक्सर ऐसे कोर्स या विषय चुन लेते हैं, जो उनकी रुचियों और क्षमताओं के अनुरूप नहीं होते। परिणामस्वरूप, उनमें असफलता का भय और आत्मविश्वास की कमी देखी जाती है। ऐसे बच्चे अपनी आगे की शिक्षा में रुचि खो बैठते हैं और कई बार स्कूल छोड़ने का निर्णय भी लेते है। साथ ही, इस उम्र में व्यावहारिक और जीवन कौशलों की कमी के कारण, बच्चे अपने आसपास के लोगों के साथ प्रभावी संवाद स्थापित नहीं कर पाते। टीमवर्क, समस्या समाधान और नेतृत्व कौशल के अभाव में वे प्रतिस्पर्धी माहौल में खुद को असहज महसूस करते हैं।

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनामी के अनुसार वर्ष 2024 में राज्य की बेरोजगारी दर लगभग 8 फीसद है। यह दर विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी युवाओं के लिए चिंताजनक है, जो व्यावहारिक कौशल और निर्णय लेने की कमी के कारण प्रभावी कैरियर विकल्प नहीं चुन पाते।

इसके अतिरिक्त, राज्य में लगभग 20 फीसद युवा अपनी आय के स्रोत को स्थायी रूप से बनाए रखने में असमर्थ हैं, क्योंकि वे सही व्यावसायिक या कौशल-आधारित प्रशिक्षण के लिए निर्णय नहीं ले पाते। इस वजह से मानसिक स्वास्थ्य पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, 15-29 आयु वर्ग के लगभग 30 फीसद युवा मानसिक तनाव और अवसाद से प्रभावित हैं, जिसका मुख्य कारण उनकी निर्णय लेने की सीमित क्षमता है।

इन परिस्थितियों में जीवन कौशल शिक्षा का महत्व और बढ़ जाता है। जीवन कौशल शिक्षा न केवल बच्चोंा व युवाओं को व्यावहारिक निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती है, बल्कि उनके समग्र विकास में भी सहायक होती है। यह शिक्षा प्रणाली व्यवहारिक, सामाजिक और भावनात्मक कौशल को बढ़ावा देती है, जिससे युवा आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और मानसिक रूप से संतुलित बनते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में इसे प्रमुखता दी गई है। 21वीं सदी में तेजी से बदलते समाज और कार्यस्थल के माहौल को देखते हुए, जीवन कौशल शिक्षा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने जीवन कौशल शिक्षा को पाठ्यक्रम का अभिन्न हिस्सा बनाया है। इसके माध्यम से बच्चों 2 को न केवल शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए, बल्कि उनके समग्र विकास के लिए तैयार किया जा रहा है, जिसमें बच्चों में आत्म-जागरूकता, समस्या-समाधान, रचनात्मक सोच, प्रभावी संचार, संबंध प्रबंधन, भावनात्मक संतुलन और

सामाजिक जिम्मेदारी जैसे कौशल विकसित किए जाते हैं। यह न केवल बच्चों को व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन के लिए तैयार करती है, बल्कि उन्हें समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम भी बनाती है।

जीवन कौशल शिक्षा बच्चों को आत्मनिर्भर बनने, मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और रोजगार के अवसरों में वृद्धि करने में सहायक है। यह उन्हें व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करती है।

जीवन कौशल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए देशभर में कई संस्थाएं काम कर रही हैं। इनमें मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन प्रमुख है। मध्य प्रदेश शासन के जनजातीय कार्य विभागने मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन के साथ मिलकर 'सक्षम' नामक जीवन कौशल शिक्षा कार्यक्रम की शुरुआत की है। इस पहल के तहत, मैजिक बस फाउंडेशन ने स्कूलों से मास्टर ट्रेनर्स का चयन कर उन्हें प्रशिक्षित किया है, जो प्रदेश के लगभग 8,000 शिक्षकों को प्रशिक्षण देने की प्रक्रिया में है। ये शिक्षक प्रशिक्षण उपरांत प्रदेश के 9,000 सरकारी स्कूलों में कक्षा 6 से 10 तक के लगभग 10 लाख किशोर बच्चों को जीवन कौशल शिक्षा प्रदान करने की दिशा में अपना योगदान दे रहे हैं।

यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश के 20 आदिवासी जिलों और 89 विकासखंडों में लागू किया गया है, जिसमें सीएम राइज स्कूल, मिडिल स्कूल, विशेष आवासीय विद्यालय जैसे एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, कन्या शिक्षा परिसर, मॉडल आवासीय विद्यालय शामिल हैं। इस पहल का उद्देश्य शिक्षकों को जीवन कौशल शिक्षा प्रदान करने के लिए सशक्त बनाना है, ताकि वे बच्चोंल के समग्र विकास में योगदान दे सकें।

मैजिक बस फाउंडेशन ने नीति आयोग के साथ भी साझेदारी की है, जिसके तहत फाउंडेशन नीति आयोग के आकांक्षी ब्लॉक्स कार्यक्रम के अंतर्गत 31 आकांक्षी ब्लॉक्स में कार्य का विस्तार करेगा। इस साझेदारी के माध्यम से फाउंडेशन जीवन कौशल शिक्षा को हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के आकांक्षी ब्लॉक्स तक पहुंचाएगा। विशेष रूप से, उत्तर प्रदेश में इस कार्य को विस्तार देते हुए 12 आकांक्षी ब्लॉक्स को शामिल करेंगे। कुल मिलाकर, मैजिक बस की पहुंच 14 राज्यों के 97 जिलों में 140 ब्लॉक्स तक होगी। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीतिके एजेंडे को बड़े स्तर पर लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन का यह मॉडल शिक्षकों को प्रशिक्षितकर उन्हें जीवन कौशल शिक्षा के प्रति सशक्त बनाता है, जिससे वेबच्चों को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और मानसिक रूप से संतुलित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

इस पहल की शुरुआत वंचित बच्चों और युवाओं के जीवन स्तर को सुधारने के उद्देश्य से की गई थी। सबसे पहले, उन क्षेत्रों की पहचान की गई जहाँ शिक्षा और कौशल विकास के अवसरों की कमी थी। इसके बाद, स्थानीय समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए पायलट प्रोजेक्ट शुरू किए गए। खेल और गतिविधि-आधारित मॉडल को अपनाते हुए बच्चों को संवाद, टीमवर्क और आत्मविश्वास जैसे कौशल सिखाए गए।

इसके अलावा, प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन शिक्षा और जीवन कौशल विकास के लिए अपने अभिनव कार्यक्रमों के माध्यम से लाखों बच्चों को सशक्त बना रही है। यह संस्था ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए शिक्षकों और समुदाय के सदस्यों को सक्रिय रूप से शामिल करती है। वहीं, चाइल्ड राइट्स एंड यूबच्चों के अधिकारों की रक्षा और उनके समग्र विकास के लिए समर्पित है। यह संस्था जीवन कौशल शिक्षा को बच्चों के व्यक्तित्व विकास का एक महत्वपूर्ण साधन मानती है।

जीवन कौशल शिक्षा को सफल बनाने में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्हें विशेष प्रशिक्षण देकर बच्चों का मार्गदर्शन करने के लिए तैयार किया जाता है। शिक्षकों को यह सुनिश्चित करना होता है कि वे बच्चों में आत्म-विश्वास, सकारात्मक सोच और समस्याओं का समाधान करने की क्षमता विकसित करें।

इस प्रकार, जीवन कौशल शिक्षा बच्चों के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एनईपी 2020 ने इसे प्राथमिकता देकर न केवल शिक्षा प्रणाली में सुधार किया है, बल्कि भविष्य के लिए आत्मनिर्भर और सशक्त नागरिक तैयार करने की पहल की है।

बड़े तालाब में मिला युवक का शव, पहचान का कोई दस्तावेज नहीं मिला शिनाख्त की कोशिश में जुटी पुलिस

भोपाल। भोपाल के बड़े तालाब में मंगलवार सुबह एक युवक का शव मिला है। जिसे गोताखोरों की मदद से बाहर निकाला गया। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

श्यामला हिल्स पुलिस के मुताबिक मंगलवार सुबह शीतलदास की बगिया बड़ी झील में एक युवक का शव दिखाई दिया था। गोताखोरों ने शव को पानी से बाहर निकाला। तलाशी लेने पर पुलिस को उसके पास से कोई दस्तावेज नहीं मिले। इसलिए उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी।

लाश करीब दो से तीन दिन पुरानी बताई जा रही है। मृतक की उम्र 30-35 के बीच है। पुलिस ने मृतक का शव बरामद कर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। साथ ही पुलिस अब उसकी शिनाख्ती के प्रयास में लगी हुई है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

परिचालनिक कारणों से ट्रेनों के संचालन में बदलाव

भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा महाकुंभ मेला 2025 के दौरान परिचालनिक आवश्यकताओं के कारण भोपाल मंडल से गुजरने वाली निम्नलिखित ट्रेनों को निरस्त, आंशिक रूप से निरस्त/शॉर्ट टर्मिनेट करने का निर्णय लिया गया है।

निरस्त की गई ट्रेन

1.गाड़ी संख्या 20962 बनारस-उधना एक्सप्रेस दिनांक 29.01.2025 को निरस्त रहेगी।

आंशिक रूप से निरस्त/शॉर्ट टर्मिनेट की गई ट्रेनें

1.गाड़ी संख्या 14115 डॉ. अंबेडकर नगर-प्रयागराज एक्सप्रेस अपने प्रारंभिक स्टेशन से यात्रा की दिनांक 28.01.2025, 29.01.2025, 02.02.2025 और 03.02.2025 को खजुराहो स्टेशन पर 23.05 बजे शॉर्ट टर्मिनेट होगी।

2.गाड़ी संख्या 14116 प्रयागराज-डॉ. अंबेडकर नगर एक्सप्रेस अपने प्रारंभिक स्टेशन से यात्रा की दिनांक 29.01.2025, 30.01.2025, 03.02.2025 और 04.02.2025 को खजुराहो स्टेशन से 21.30 बजे प्रारंभ/शोर्ट ओरिजीनेट होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन्य जीव के हमले में मृत ग्रामीण के परिवार को सहायता राशि देने के निर्देश

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कटनी जिले के ग्राम सनकुई में वन्य जीव के हमले में स्थानीय नागरिक श्री धनीराम कोल की मृत्यु पर दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शोकाकुल परिजन के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए मृतक की पत्नी को 8 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि दिलवाने के निर्देश दिए हैं।मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर जिला प्रशासन, कटनी द्वारा प्रभावित परिवार को सहायता राशि प्रदान की जा रही है।

सिकल सेल मुक्त भारत अभियान में मध्यप्रदेश देश का अग्रणी राज्य,मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दी बधाई

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिकल सेल मुक्त भारत अभियान में मध्यप्रदेश देश का अग्रणी राज्य बनने पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से विकास हो रहा है। स्वास्थ्य और उपचार के क्षेत्र में रोग की समय पर पहचान और रोकथाम पर जोर दिया जा रहा है। इसक्रम में वर्ष 2024-25 में 90 लाख से अधिक स्क्रीनिंग के साथ रक्त रोग सिकल सेल की स्क्रीनिंग में मध्यप्रदेश ने अग्रणी राज्य बनने की उपलब्धि प्राप्त की है। इस उपलब्धि के लिए समर्पित सभी अधिकारी और कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वर्ष 2047 तक सिकल सेल मुक्त भारत बनाने का संकल्प लिया है। इसके लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रक्त रोग सिकल सेल एनीमिया के बचाव के लिए नागरिकों से जागरूक रहने का आहवान किया है।

मध्यप्रदेश में अब तक कुल 90 लाख 98 हज़ार 902 लोगों की सिकल सेल स्क्रीनिंग कर शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया गया है। इसके साथ ही 53 लाख 87 हज़ार 892 सिकल सेल कार्ड (59.21 प्रतिशत) वितरण की उपलब्धि दर्ज कर, मध्यप्रदेश ने देश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है।

भगवान श्रीराम सेवा का सबसे बड़ा उदाहरण : दीपक विस्पुते

भोपाल। सेवा भारती मध्य भारत प्रांत की ओर से भोपाल में आयोजित एक दिवसीय 'युवा सेवा संगम' में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह बौद्धिक प्रमुख दीपक विस्पुते ने कहा कि श्रीराम ने समाज को जागरूक और एकत्रित करने का कार्य सेवा के माध्यम से किया था। समाज में हजारों ऐसे उदाहरण हैं, जिन्होंने अपनी सेवा से समाज को सशक्त बनाया और आगे बढ़ाया। आज उनका योगदान हमारे समाज की ताकत है। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में प्रसिद्ध न्यूरोलॉजिस्ट और एम्स भोपाल के अध्यक्ष डॉ. सुनील मलिक ने अध्यक्षता की और मुख्य अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता प्रेमशंकर उपस्थित रहे। वहीं, समापन सत्र की अध्यक्षता सुप्रसिद्ध नेत्र विशेषज्ञ डॉ. पीएल बिंद्रा ने की। प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेश सेठी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में

350 चयनित युवाओं ने सहभागिता की और समाज सेवा के क्षेत्र में अपने विचार और अनुभव साझा किए।

इस अवसर पर विस्पुते ने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपने सेवा के माध्यम से दीपक बनकर समाज को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास करें और एकजुट होकर सेवा भाव से कार्य करें। सामाजिक कार्यकर्ता प्रेमशंकर ने कहा कि सेवा सहज नहीं होती। बिना करुणा के सेवा संभव नहीं है। डॉ. सुनील मलिक ने कहा कि कई देशों को मुफ्त वैक्सीन उपलब्ध कराना हमारी सेवा दृष्टि का प्रतीक है। इस अवसर पर नेत्र विशेषज्ञ डॉ. पीएस बिंद्रा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद समाज के पथ प्रदर्शक हैं।

सेवा कार्यो पर आधारित फिल्म का प्रदर्शन– कार्यक्रम में सेवा कार्यों पर आधारित एक फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया, जिसने उपस्थित युवाओं को प्रेरित किया। जितेन्द्र राठौर ने कार्यक्रम की संकल्पना प्रस्तुत की और संचालन अभिताभ श्रीवास्तव ने किया।

मिशन मोड पर कार्य करने से मिलते हैं उत्कृष्ट परिणाम : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

ग्वालियर के सिविल अस्पताल हजीरा का किया निरीक्षण

भोपाल । उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि जब किसी कार्य को मिशन मोड में किया जाता है तो उसके अच्छे परिणाम प्राप्त होते हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने ग्वालियर के सिविल अस्पताल हज़ीरा निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल की स्वच्छता की सराहना की और कहा कि यह अस्पताल सभी अस्पतालों के लिए एक

उदाहरण है। निरीक्षण के दौरान ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युमन सिंह तोमर उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रक्त भंडारण इकाई, सीटी स्कैन रूम, नर्सिंग एरिया का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न स्वास्थ्य प्रक्रियाओं के सेवा प्रदाय की स्थिति और विशिष्ट सेवाओं जैसे अल्ट्रासाउंड आदि में वेटिंग की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने रसोई एरिया, नेत्र ऑपरेशन इकाई क्षेत्र और ओपीडी में बेड व्यवस्था का निरीक्षण किया। बाल गहन चिकित्सा इकाई और बाल ओपीडी की व्यवस्था के अवलोकन के साथ उन्होंने प्रसव व्यवस्था और नवजात एवं शिशु स्वास्थ्य की जानकारी प्राप्त की।

पुंजापुरा के कोलुघट्टा स्कूल के बच्चों को बेअरलॉकर उद्योग से मिली फर्नीचर की सौगात

देवास। जिलाधीश ऋषव गुप्ता द्वारा जिले में चलाए जा रहे मेरी शाला संपूर्ण शाला अभियान के तहत बागली तहसील के कोलुघट्टा प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को बेअरलॉकर उद्योग द्वारा 30 सेट फर्नीचर की सौगात दी गई। बेअरलॉकर के सीएसआर प्रबंधक प्रवीण शर्मा एवं सीएसआर समन्वयक एक्ट ईव फाउंडेशन के अध्यक्ष मोहन वर्मा ने बताया कि जिले के जमीन पर बैठकर पढ़ाई करने वाले बच्चों को फर्नीचर उपलब्ध करवाने के अभियान के तहत कोलुघट्टा प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को बेअरलॉकर उद्योग द्वारा 30 सेट फर्नीचर की सौगात दी गई।

कार्यक्रम में प्रधान अध्यापिका सुमन डाबर ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य नंदु रावत, रामसिंह सोलंकी तथा धर्मेन्द्र सोनी उपस्थित थे। जिन्होंने उद्योग एवं एनजीओ के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में बेअरलॉकर उद्योग से किशनसिंह कुशवाह, शीषराम जाट तथा ग्राम पुंजापुरा के दिलीप परिहार, जनशिक्षक राजेन्द्र पंवार, करणसिंह सोलंकी, कृष्णा शर्मा व रेखा मोर्या उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन नरेन्द्र गेहलोत ने किया तथा आभार माणकचंद हरनिया ने माना।

एम्स भोपाल और अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय मेडिकल कॉलेज, विदिशा के बीच कॉर्निया प्रत्यारोपण सहयोग के लिए एमओयू हस्ताक्षर

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, एम्स भोपाल और अटल बिहारी वाजपेयी (एबीवी) शासकीय मेडिकल कॉलेज, विदिशा के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग के तहत अब एम्स भोपाल के नेत्र बैंक को एबीवी शासकीय मेडिकल कॉलेज, विदिशा के कॉर्निया रिट्रीवल सेंटर से जोड़ा जाएगा। विदिशा में प्राप्त दान किए गए नेत्रगोलक/कॉर्निया को मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम के तहत प्रत्यारोपण के लिए एम्स भोपाल के नेत्र बैंक में भेजा जाएगा। इस समझौता ज्ञापन के महत्व को बताते हुए प्रो. सिंह ने कहा, यह एमओयू कॉर्निया प्रत्यारोपण को प्रोत्साहित करेगा और अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाएगा। भविष्य में, हम एबीवी मेडिकल कॉलेज के साथ एक व्यापक एमओयू हस्ताक्षर करने का लक्ष्य रखेंगे। यह स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने और अंगदान को बढ़ावा देने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। इस अवसर पर एबीवी शासकीय मेडिकल कॉलेज, विदिशा के डीन, डॉ. मनीष निगम ने कॉलेज के प्रतिनिधि के रूप में एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी पर बोलते हुए, डॉ. निगम ने कहा, विदिशा के लोग अंगदान को लेकर बहुत सहयोगी और जागरूक हैं।

जय बापू-जय भीम-जय संविधान अभियान

राहुल गांधी ने संविधान की रक्षा-सम्मान और देश की जनता के हक और अधिकारों की लड़ाई के लिए संसद में आवाज बुलंद की : पूर्व सांसद सुश्री मीनाक्षी नटराजन

भोपाल। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गांधी जी, सांसद श्रीमती प्रियंका जी के मुख्य आतिथ्य, देष और प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर आगामी 27 जनवरी, 2025 को डॉ. भीम राव अंबेडकर जी की जन्मस्थली महूं से ''जय बापू-जय भीम-जय संविधान अभियान'' रैली के आगाज किया जा रहा है। प्रदेषव्यापी कार्यक्रम में प्रदेश भर से लाखों की संख्या में कार्यकर्ता और संविधान को मानने वाले अनुयायी शामिल होंगे।

प्रदेष कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी जी ने मध्य प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को पत्रकार वार्ताएं आयोजित करने के निर्देष जारी किये हैं। इसी कड़ी में आज यहां पर पत्रकार वार्ता आयोजित जा रही है।

देश का संविधान सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक न्याय, विचारों की अभिव्यक्ति – बुनियादी तौर पर हमारा संघर्ष विचारधारा का है। बाबा साहेब ने हमें सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक न्याय, विचार की अभिव्यक्ति, विष्वास की अभिव्यक्ति, धर्म और उपासना की प्रतिष्ठा और गरिमा बनाये रखने के लिए संविधान का स्वरूप दिया। लेकिन केंद्र की भाजपा सरकार उसमें बैठे मंत्री और पूरी भाजपा संविधान का मजाक उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। विगत दिनों देश के गृह मंत्री द्वारा संसद में अंबेडकर जी का जिस तरह अपमान किया गया, वह अपमान देश के दलित, शोषित, आदिवासी, गरीब, मजदूर, पिछड़ा वर्ग के लोगों का ही नहीं, अपितु देश की हर विचारधारा हर वर्ग का अपमान है। क्योंकि संविधान से ही देश चलता है, न कि भाजपा और गोड़सेवादी विचारधारा से।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी संविधान और आरक्षण के लिए लड़ रहे हैं लड़ाई – लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गांधी जी संविधान को शिरोधार्य कर भारत को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। जिस तरह देश में पंजाब से लेकर मणिपुर तक अलगांववाद की आग से झुलस रहा है, ऐसे समय राहुल गांधी ने देश की जनता में मोहब्बत और विश्वास पैदा करने के लिए भारत जोड़ों यात्रा की, लोगों की भावनाओं को काफी नजदीक से समझा, उनकी तकलीफों को समझा उससे भाजपा बौखलाई हुई है। भाजपा और संघ से जो भारत गणराज्य के लिए खतरा मड़राया हुआ है, जनता की लड़ाई, उनके अधिकारों के लिए राहुल गांधी जी सड़क से लेकर सदन तक पूरी ताकत के साथ खड़े होकर जनता की लड़ाई लड़ रहे हैं।

स्वतंत्र भारत की नींव रखने वाले महान नेताओं का संविधान में योगदान– महात्मा गांधी ने अपने विशेष प्रयासों से भारतीय संविधान की नींव रखी और भारत की जनभावना को दर्शाने वाले स्वदेशी संविधान की आवश्यकता महसूस की। बाबा साहेब अंबेडकर ने सदैव संविधान के प्रति कांग्रेस की समर्पण की भावना की सदैव प्रशंसा की। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पं. जवाहर लाल नेहरू, सरदार वल्लभ भाई पटेल, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, मौलाना अब्दुल कलाम आजाद, सरोजनी नायडू जैसे देश के महान नेताओं ने बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर के विशेष योगदान से देश के सर्वहारा वर्ग के हितों, उनकी सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों के लिए संविधान का निर्माण किया। देश का संविधान भारत का ही नहीं, अपितु दुनिया का संविधान बना। बाबा साहेब भारतीय राष्ट्र-राज्य के भी निर्माता हैं, उनके सुझाये हुये मार्गो ने हमारे भारत वर्ष की पूरे विश्व में गौरवशाली प्रतिष्ठा प्रदान करायी और वैश्विक लोकतंत्र के लिए संविधान की समझ दी। देश में संविधान लागू होने के बाद पूरे विश्व में भारत के संविधान को अपनाया गया। बाबा साहेब ने संविधान में दलितों, आदिवासियों, अल्पसंख्यक वर्ग के साथ देश के सभी वर्ग के हितों और उनकी भागीदारी को सुनिश्चित कर देश को एक सूत्र में पिरोने के लिए विरोधियों की चुनौतियों का सामना करते हुये संविधान का निर्माण किया। जिसके कारण आज देश का हर प्राणी खुली हवा में सांस ले पा रहा है।

बाबा साहेब ने सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक न्याय, विचार की अभिव्यक्ति और मौलिक अधिकारों के लिये संविधान का स्वरूप दिया। आजादी के पहले जब देश में ब्रिटिश हुकुमत थी, तब लोग स्वतंत्र होकर अपना जीवन नहीं जी पाते थे, छुआछूत, जाति प्रथा, गरीबी-अमीरी, रियासतों में देश बंटा हुआ था। बाबा साहेब ने सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार की अभिव्यक्ति और मौलिक अधिकारों के लिए देश की जनता को संविधान का स्वरूप दिया। जिसमें हर वर्ग के लोगों को स्वतंत्रता के साथ अपना जीवन यापन करने की आजादी मिली।

भाजपा और आरएसएस ने हमेशा ही संविधान का मजाक उड़ाया– देश के गृहमंत्री अमित शाह ने 17 दिसम्बर 2024 को संसद में जाति भेदभाव के खिलाफ अंबेडकर जी के प्रयासों का मजाक उड़ाते हुये बाबा साहेब का अपमान किया, जिससे करोड़ों की भावनाऐं आहत हुई जो अंबेडकर जी को अपना भगवान मानते हैं और उन्हें पूजते हैं। सामाजिक, आर्थिक और आर्थिक न्याय पर आधारित संविधान आज खतरे में है। भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा जगह-जगह उनकी प्रतिमा को खंडित किया गया, उनके चित्रों को जलाया गया, फाड़ा गया। भाजपा देश में वैमनस्यता फैलाना चाहती है, नफरत और घृणा का माहौल पैदा कर देश और प्रदेश में अराजकता का माहौल निर्मित करना चाहती हैं। भाजपा और आरएसएस ने हमेशा ही संविधान का मजाक उड़ाया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी-गृह मंत्री अमित शाह संविधान और आरक्षण विरोधी– देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमित शाह सहित पूरी भाजपा संविधान और आरक्षण विरोधी है। कितने दुर्भाग्य की बात है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हो या गृह मंत्री अमित शाह संविधान की शपथ लेकर संवैधानिक पदों पर बैठने के बावजूद संविधान की धज्जियां उठा रहे हैं। इतना ही नहीं देश हो या मध्यप्रदेश के सभी भाजपा नेताओं द्वारा जो मंत्री अथवा जनप्रतिनिधि बनकर बैठे हैं, उनमें इतना भी समझ नहीं कि देश की आजादी के लिए जब हमारे पूर्वजों ने अपने प्राणों की आहूती दी और देश को आजाद कराया। देश की जनता के सम्मान और उनकी रक्षा के लिए जब श्री राहुल गांधी जी संविधान की पुस्तक को अपने सिर पर लगाते हैं तो भाजपा उनका मजाक बनाती है। भाजपा का यह कृत्य घोर निंदनीय और संविधान का अपमान है।

॥ मंदिरम् ॥ 18

जटोली शिव मंदिर, सोलन

जटोली शिव मंदिर भारत के हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले के जटोली गांव में स्थित एक हिंदू मंदिर है। यह एक शिव मंदिर है। इस मंदिर को एशिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर माना जाता है। श्री श्री स्वामी कृष्णानंद परमहंस महाराज ने इस मंदिर का निर्माण करवाया था। इस मंदिर का नाम 'जटा' शब्द से लिया गया है, जो महादेव की लंबी जटाओं से संबंधित है। यह भव्य शिव मंदिर जटोली के खूबसूरत बगीचों में स्थित है। मंदिर में एक प्राकृतिक शिव गुफा भी है, जो भक्तों को आकर्षित करती है। कहा जाता है कि मंदिर में स्थित पत्थरों को थपथपाने से डमरू की आवाज निकलती है। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि पत्थरों को सिर्फ छूने मात्र से भी डमरू की आवाज निकलने लगती है। इस रहस्यमयी कहानी के लिए हर दिन हजारों भक्त दर्शन करने और डमरू की आवाज सुनने के लिए पहुंचते हैं। खासकर सावन के महीने में हर दिन यहां लाखों भक्त दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

800 ट्रैक्टर लेकर जेल भरो आंदोलन करने पहुंचे किसान

मुरैना के कैलारस में विरोध के बाद शक्कर कारखाने की नीलामी रोकी

मुरैना (नप्र)। मुरैना जिले में किसानों के विरोध के बाद कैलारस शक्कर कारखाने की भूमि नीलामी रोक दी गई है। मंगलवार को किसान और कांग्रेस कार्यकर्ता करीब 800 ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर धरनास्थल पर पहुंचे। वे सत्याग्रह और जेल भरो आंदोलन कर रहे थे।

नीलामी के दौरान जिन चार प्रतिभागियों ने राशि जमा कराई थी, उन्होंने अपने नाम वापस ले लिए। उन्होंने लिखित में बताया कि नीलामी में लगाई जाने वाली बोली बाजार के मूल्य से ज्यादा है। जिसके बाद नीलामी स्थगित कर दी गई। वहीं, कांग्रेस विधायक पंकज उपाध्याय ने बताया, विरोध के बाद नीलामी रोक दी गई है। कलेक्टर अंकित अस्थाना ने आश्वासन दिया है कि शक्कर कारखाने को दोबारा शुरू किया जाएगा। अगर प्रशासन ने वादाखिलाफी की तो 26 जनवरी से दोबारा प्रदर्शन किया जाएगा।

13 साल से बंद पड़ा है शक्कर कारखाना- कैलारस का शक्कर कारखाना 13 साल से बंद पड़ा है। सरकार ने कारखाने की भूमि नीलाम करने का निर्णय लिया था। मंगलवार सुबह करीब 10:30 बजे शक्कर फैक्ट्री की कृषि भूमि की नीलामी प्रक्रिया शुरू हुई। कार्यालय के बाहर एडीएम के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात किया गया था। जमीन को खरीदने के लिए पांच खरीददारों ने 5 लाख रुपए की राशि जमा की थी। लेकिन बोली शुरू होने से पहले ही नीलामी रोक दी गई। कांग्रेस विधायक पंकज उपाध्याय आंदोलन की अगुआई कर रहे थे। उनके साथ हजारों किसान थे।

पुलिस ने ट्रैक्टर रोके, प्रदर्शनकारियों का हंगामा- कैलारस में एमएस रोड पर ऑक्सफोर्ड स्कूल के पास धरनास्थल पर ट्रैक्टर लेकर जा रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने रोक लिया। जिसके बाद प्रदर्शनकारियों ने हंगामा कर दिया। धरनास्थल से जौरा विधायक पंकज उपाध्याय मौके पर पहुंचे। उनकी पुलिस से बहस हो गई। अपर कलेक्टर सीबी प्रसाद ने विधायक को समझाने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने उनकी बात नहीं मानी। पुलिस ने विधायक समेत 25 लोगों को वज्र वाहन में बैठा दिया। धरने में विधायक पंकज उपाध्याय के साथ उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे और हजारों की संख्या में कांग्रेसी और ग्रामीण मौजूद रहे।

कांग्रेस विधायक बोले- सरकार कोई कदम नहीं उठा रही- प्रदर्शन के दौरान विधायक पंकज उपाध्याय ने आरोप लगाया कि किसानों के लंबे समय से चल रहे धरने के बावजूद सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया। केंद्र सरकार ने बंद पड़े कारखानों को पुनः चालू करने के लिए 10 करोड़ रुपए के प्रावधान किए हैं। लेकिन राज्य सरकार की इच्छाशक्ति की कमी के चलते कैलारस शक्कर कारखाने को चालू करने की कोई पहल नहीं हो रही।

30 करोड़ रुपए की लागत से शुरू हो सकता है कारखाना

कम्युनिस्ट नेता गयाराम धाकड़ ने बताया, नेशनल शुगर फेडरेशन ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि कैलारस शक्कर कारखाना मात्र 30 करोड़ रुपए की लागत से चालू किया जा सकता है। रिपोर्ट में कारखाने की मशीनरी को आधुनिक करने और उत्पादन क्षमता 1,200 टन से बढ़ाकर 2,000 टन करने की सिफारिश की गई है। लेकिन यह प्रस्ताव अभी तक क्रियान्वित नहीं हुआ।

अंबाह विधायक ने कहा- सरकार का ध्यान केवल निवेश मीट पर

अंबाह के विधायक देवेंद्र सकवार ने कहा कि प्रदेश सरकार केवल निवेश मीट पर ध्यान दे रही है, लेकिन स्थानीय उद्योगों को पुनर्जीवित करने की ओर कोई कदम नहीं उठाया गया। पूर्व विधायक मनीराम धाकड़ और बैजनाथ कुशवाहा ने बताया कि शक्कर कारखाने के साथ एथेनॉल और अन्य उत्पादों के प्लांट लगाए जा सकते हैं, जिससे किसानों और युवाओं को आर्थिक लाभ मिलेगा।

मुख्य सचिव ने ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के आयोजन स्थल का निरीक्षण किया

अंतर्राष्ट्रीय स्तर अनुसार की जाए व्यवस्था

भोपाल(नप्र)। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने इंदिरा गांधी मानव संग्रहालय में फरवरी माह में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन स्थल का निरीक्षण कर संबंधी सभी व्यवस्थाओं का जायजा लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्य सचिव श्री जैन ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के उद्घाटन में पधार रहे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आगमन और उनके कार्यक्रम के लिए किए जा रहे प्रबंधों के

संबंध में जानकारी प्राप्त कर निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के आगमन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद हो और प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही आयोजन स्थल पर ट्रैफिक प्रबंधन की व्यापक योजना बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने आमंत्रित वीआईपी और डेलीगेट्स को सुगमता से कार्यक्रम स्थल तक पहुंचाने की व्यवस्थित प्लानिंग करने के भी निर्देश दिये।

मुख्य सचिव ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में विभिन्न सत्रों की व्यवस्थाओं, आयोजन स्थल पर तैयार की जा रही सुविधाओं, अलग-अलग सेक्टर्स और अतिथियों के लिए समुचित सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये।

समिट में देश-विदेश से आने वाले निवेशकों और प्रतिनिधियों का स्वागत और उनके लिए उचित प्रबंध तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों और निवेशकों को आयोजन के दौरान सकारात्मक अनुभव मिले, इसके लिए हर संभव व्यवस्था किये जाने के निर्देश दिये। मुख्य सचिव ने कहा कि कार्यक्रम एवं आयोजन स्थल संबंधी सभी तैयारियां समय-सीमा में पूरी कर ली जाए।

इस दौरान डीजीपी श्री कैलाश मकवाना, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री संजय शुक्ला, प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन श्री राघवेन्द्र सिंह, एमडी म.प्र. औद्योगिक विकास निगम श्री चन्द्रमौली शुक्ल, आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े, कमिश्नर भोपाल संभाग श्री संजीव सिंह, पुलिस आयुक्त श्री हरिनारायणचारी मिश्र, कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

108 एंबुलेंस सेवा का जागरूकता अभियान

5000 से ज्यादा लोगों को प्राथमिक उपचार और सीपीआर की ट्रेनिंग

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में 108 एंबुलेंस सेवा द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियान ने लोगों को आपातकालीन स्थितियों में तत्काल मदद देने के लिए प्रशिक्षित करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। 108 एंबुलेंस सेवा की टीम प्रदेशभर में 5000 से अधिक लोगों को फर्स्ट एड टेक्नीक, सीपीआर और प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दे चुकी है। यह अभियान स्कूलों, कॉलेजों, उद्योगों और अन्य सरकारी

एवं निजी संस्थानों में आयोजित किया गया है, ताकि लोग एंबुलेंस आने तक मरीज की मदद कर सकें। अभियान के दौरान लोगों को प्राथमिक उपचार का दिया जा रहा प्रशिक्षण।

आपातकालीन स्थिति में सही कदम उठाना है जरूरी- इस निश्शुल्क प्रशिक्षण में विशेषज्ञों द्वारा लोगों को बताया जाता है कि किस प्रकार की आपातकालीन स्थिति जैसे कटना, जलना, करंट लगना, सांप या अन्य कीड़ों का काटना, सीपीआर देना आदि में तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। इस दौरान यह भी जानकारी दी जाती है कि आपातकालीन सेवाओं का लाभ कैसे लिया जाए और एंबुलेंस आने तक मरीज को कैसे सुरक्षित रखा जाए। अभियान के दौरान शिविरों में हेल्थ चेकअप भी किए गए, जिसमें बीपी, शुगर और पल्स चेकअप शामिल थे। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य लोगों को न केवल आपातकालीन परिस्थितियों में मदद देने के लिए तैयार करना है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना है कि लोग आपातकालीन सेवाओं का सही इस्तेमाल करें।

मध्यप्रदेश संत पुजारी संघ ने मनाया संस्कार उत्सव

मुख्यमंत्री से की 'हिन्दू राज्य' बनाने की मांग, संस्थापक बोले-संस्कृति के आधार पर घोषणा हो

भोपाल (नप्र)। भोपाल के श्यामला हिल्स स्थित हिन्दी भवन में मंगलवार को मध्यप्रदेश संत पुजारी संघ ने अपने स्थापना दिवस पर संस्कार उत्सव का आयोजन किया। इस दौरान संघ के संस्थापक नरेंद्र दीक्षित ने राज्य के मुख्यमंत्री से प्रदेश को हिन्दू राज्य घोषित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में चल रही हिन्दुत्व की लहर में इसकी शुरुआत मध्यप्रदेश से होनी चाहिए, क्योंकि यहां हिन्दू आबादी सबसे अधिक है।

कार्यक्रम में संघ ने मध्यप्रदेश को हिन्दू राज्य घोषित करते हुए कहा कि सनातन संस्कृति को संरक्षित और प्रचारित करने के लिए यह कदम जरूरी है। आयोजन के दौरान 16 संस्कारों पर जागरूकता फैलाने के साथ-साथ समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सेवकों को सम्मानित भी किया गया। साथ ही, सनातन संस्कृति को अपनाने और जीवन में उसका अनुसरण करने का संकल्प लिया गया। इस दौरान कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष कपिल शर्मा, निदान वेलफेयर सोसायटी के सदस्य और अन्य संत व संघ के सदस्य मौजूद रहे। संघ के संस्थापक नरेंद्र दीक्षित ने राज्य के मुख्यमंत्री से प्रदेश को हिन्दू राज्य घोषित करने की मांग की।

मुख्यमंत्री से हिन्दू राज्य बनाने की मांग- संघ के संस्थापक नरेंद्र दीक्षित ने कहा, जब कश्मीर के मुख्यमंत्री अपने राज्य को इस्लामिक राज्य घोषित कर सकते हैं, तो मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को भी हिन्दुत्व को बढ़ावा देने के लिए खुलकर आगे आना चाहिए।

पाकिस्तान संस्कृति के आधार पर इस्लामिक राष्ट्र तो भारत क्यों नहीं- उन्होंने कहा कि हिन्दू राज्य घोषित करने का अर्थ अन्य धर्मों का विरोध करना नहीं है। लेकिन जब हमारे भगवान की मूर्तियां जमीन के नीचे मिलती हैं, तो हमें पीड़ा होती है। जब पाकिस्तान अपने आपको इस्लामिक राष्ट्र कहता है, अरब देश इस्लामिक संस्कृति के आधार पर पहचाने जाते हैं, तो भारत को अपनी सनातन संस्कृति के अनुसार हिन्दू राष्ट्र बनने में क्या समस्या है। कार्यक्रम का शुभारंभ बच्चों ने वैदिक मंत्रों के उच्चारण के साथ किया।

कार्यक्रम में संस्कार और संस्कृति पर जोर- कार्यक्रम के दौरान 16 संस्कारों की महत्ता पर चर्चा की गई। इसके साथ ही सनातन धर्म के संरक्षण और समाज में एकता का संदेश देने पर जोर दिया गया। संस्थापक नरेंद्र दीक्षित ने कहा कि हिन्दुत्व केवल एक धर्म नहीं, बल्कि सबको जोड़ने वाली पद्धति है। उन्होंने कहा कि यह हमारी प्राचीन संस्कृति की पहचान है, जो विश्व को शांति और सद्भाव का संदेश देती है। कार्यक्रम के समापन पर समाज सेवा और धर्म के प्रति काम करने वाले कार्यकर्ताओं को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया गया।

कोहरे से मुंबई-इंदौर फ्लाइट डायवर्ट, भोपाल में उतरी

म.प्र. के कई शहरों में तेज धूप से चढ़ा पारा, दो दिन बाद घटने लगेगी सर्दी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में सुबह कोहरे के बाद दिन में धूप निकल रही है। कई शहरों में लोगों को सर्दी से राहत मिली है। मंगलवार सुबह भोपाल, रीवा-सतना समेत 14 जिलों में हल्का मध्यम कोहरा छाया रहा। जबलपुर में घने कोहरे के साथ सर्द हवा चली। इंदौर में कोहरे के कारण मुंबई से आने वाली फ्लाइट नंबर 6ई294 लैंड नहीं हो सकी। उसे भोपाल डायवर्ट करना पड़ा।

मुंबई से इंडिगो की फ्लाइट ने सुबह 6:40 बजे की जगह 6:54 पर टेक-ऑफ किया था। इसे तय समय पर 8 बजे इंदौर आना था लेकिन यहां कोहरा अधिक होने के कारण फ्लाइट को भोपाल डायवर्ट किया गया। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, भोपाल से यात्रियों को बस के जरिए इंदौर भेजा गया।

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, आज ग्वालियर-चंबल में हल्की बारिश होने का अनुमान है। 2 दिन के बाद तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाएगा। बुधवार को निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, सतना, मैहर, रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में कोहरा रहेगा। ग्वालियर, श्योपुर, दतिया, मुरैना, भिंड में हल्की बारिश हो सकती है।

बर्फीली हवा का असर कम- मध्यप्रदेश में अभी मौसम का मिला-जुला असर है। कहीं रात में तेज ठंड है तो कुछ शहरों में पारा 10 से 14 डिग्री सेल्सियस के बीच चल रहा है। सुबह के समय मध्यम से घना कोहरा और दिन में गर्मी बढ़ रही है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से ये बदलाव देखने को मिल रहा है।

पूर्वी हिस्से में ठंड, भोपाल-जबलपुर में 10 डिग्री से नीचे पारा- प्रदेश के पूर्वी हिस्से में ठंड का असर है। रविवार-सोमवार की रात में मंडला में पारा 5 डिग्री सेल्सियस रहा। शहडोल के कल्याणपुर में 5.1 डिग्री, पचमढ़ी में 6.5 डिग्री, मलाजखंड में 6.9 डिग्री, उमरिया में 7.4 डिग्री, नौगांव में 8.5 डिग्री, राजगढ़ में 9.4 डिग्री और रायसेन-सतना में 9.8 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

वहीं, बड़े शहरों में जबलपुर में 8.6 डिग्री और भोपाल में 9.6 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। बाकी शहरों में पारा 10 डिग्री से अधिक रहा। इधर, सोमवार सुबह कई शहरों में कोहरे का असर देखने को मिला। वहीं, कई शहरों में दिन में पारे में बढ़ोतरी हुई।

भोपाल में 0.6 डिग्री पहुंच चुका टेम्परेचर- भोपाल में जनवरी में कड़ाके की ठंड पड़ती है। दिन में गर्मी का अहसास और बारिश का ट्रेंड भी है। 18 जनवरी 1935 को रात का टेम्परेचर रिकॉर्ड 0.6 डिग्री सेल्सियस रहा था। वहीं, 26 जनवरी 2009 को दिन में तापमान 33 डिग्री दर्ज किया गया था। यहां पिछले 10 में से 7 साल बारिश हो चुकी है। 24 घंटे में सबसे ज्यादा 2 इंच बारिश 6 जनवरी 2004 को हुई थी। वहीं, सर्वाधिक मासिक 3.8 इंच बारिश जनवरी 1948 में हुई थी।

युवती ने महाकाल मंदिर में 'ये दिल तो प्यार मांगे है' गाने पर बनाई रील, पुजारियों में भड़का गुस्सा

युवती ने फिल्मी गाने पर बनाई रील पर भड़के पुजारी

उज्जैन (नप्र)। ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में एक युवती द्वारा फिल्मी गाने पर रील बनाने का मामला सामने आया है। इस पर मंदिर के पुजारी खासे नाराज हैं। उनका कहना है कि धर्म स्थान पर अमर्यादित आचरण करने वालों पर सख्त कार्रवाई होना चाहिए।

इससे पहले भी कुछ युवक-युवती मंदिर में फिल्मी गानों पर रील बना चुके हैं। मामले में मंदिर प्रशासन द्वारा कार्रवाई भी की जा चुकी है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो- ताजा मामला एक युवती के श्री महाकाल महालोक में ध्यानस्थ अवस्था में बैठे भगवान शिव की मूर्ति के समक्ष रील बनाने से जुड़ा है। इसमें युवती फिल्मी गीत 'ये दिल तो प्यार मांगे है' पर नृत्य करते हुए नजर आ रही है। युवती द्वारा इंटरनेट माध्यमों पर रील बहु प्रसारित करने के बाद मामला सामने आया। मामले में मंदिर के पुजारी नाराज हैं। उनका कहना है कि युवक-युवतियों को किसी भी मंदिर में इस प्रकार की अशोभनीय हरकत नहीं करना चाहिए।

पं.महेश पुजारी ने कहा कि मंदिर धर्म, अध्यात्म के केंद्र हैं, यहां फूहड़ता फैलाने वाला कोई भी व्यक्ति भक्त नहीं हो सकता है। इसलिए ऐसे जो भी मामले संज्ञान में आते हैं, उन पर सख्त कार्रवाई होना चाहिए।

पूर्व विधायक से वन्यजीव अवशेषों से बनीं 34 ट्रॉफियां जब्त

हरवंश सिंह राठौर के बंगले पर फॉरेस्ट विभाग की रेड, हफ्ते भर पहले दी थी क्लीनचिट

भोपाल (नप्र)। सागर में पूर्व भाजपा विधायक हरवंश सिंह राठौर के बंगले से वन विभाग की टीम ने वन्यजीवों के अवशेष से बनीं 34 ट्राफियां और आर्टिकल जब्त किए हैं। वन विभाग की एसआईटी ने सोमवार देर रात सागर के सदर बाजार स्थित बंगला नंबर एक पर छापेमारी की।

उत्तर और दक्षिण वन मंडल के अमले को जांच के दौरान राठौर परिवार के पास ट्रॉफी और आर्टिकल्स के वैध दस्तावेज नहीं मिले। जिन चीजों के दस्तावेज परिवार ने दिखाए, वन विभाग ने उन्हें लौटा दिया।

इससे पहले 13 जनवरी को वन विभाग की टीम ने राठौर बंगला पहुंचकर वन्यजीवों के अवशेषों से तैयार ट्रॉफियों से संबंधित दस्तावेजों की जांच-पड़ताल की थी। यहां बाघ, तेंदुआ, काले हिरण, चौसिंगा, सांभर, चिकांरा की खाल, सींग और अन्य अवशेषों से बनी ट्रॉफियां मिली थीं।

करीब साढ़े 5 घंटे तक जांच-पड़ताल के बाद वन विभाग ने राठौर परिवार को क्लीनचिट दी थी। कहा गया था कि इन्हें रखने के दस्तावेज राठौर परिवार के पास हैं। वन विभाग की टीम ने 13 जनवरी को भी विधायक हरवंश सिंह राठौर के बंगले पर जांच की थी।

सैंपल के लिए मगरमच्छों को तलाश रही वन विभाग की टीम- सूत्रों के अनुसार, अब टाइगर रिजर्व की टीम इन मगरमच्छों को तलाश रही है क्योंकि उनके सैंपल नहीं लिए गए थे। दैनिक भास्कर ने इस मामले को लेकर टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. अब्दुल अंसारी से बात करनी चाही लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। वाइल्ड लाइफ एक्टिविस्ट अजय दुबे ने बताया कि इसमें सीसीएफ सागर की सीधे तौर पर लापरवाही है क्योंकि उनके अधीन सागर और नौरादेही भी हैं। उन्होंने ही शिफ्टिंग का आदेश दिया था।

घर से मिले मगरमच्छ बिना जांच-क्वारंटाइन जलाशयों में छोड़े

इससे पहले 10 और 11 जनवरी को राठौर के घर से दो-दो मगरमच्छों का रेस्क्यू किया गया था। ये करीब 6 से 7 फीट लंबे हैं। इनमें से 2 को रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व की व्यारमा नदी के चकई नाले में, तीसरे को सिंगपुर रेंज के हर्रे वाले तालाब और चौथे मगरमच्छ को कुठला नाला में छोड़ा गया था।

वन विभाग ने राठौर बंगले से मगरमच्छ लाकर सीधे टाइगर रिजर्व के जलाशयों में छोड़ दिए थे। न तो उनको क्वारंटाइन किया और न ही उनके सेंपल की रिपोर्ट आने तक का इंतजार किया। जिन जलाशयों में मगरमच्छ छोड़े गए हैं, वहां पहले से दूसरे मगरमच्छ हैं। यदि छोड़े गए मगरमच्छों में कोई बीमारी निकलती है तो जलाशय में मौजूद अन्य मगरमच्छ भी चपेट में आ सकते हैं।

लंबे समय तक इंसानों के बीच रहे इन मगरमच्छों के खून और मल के सैंपल लेकर उसकी जांच की जानी थी। जांच रिपोर्ट में इन मगरमच्छों में कोई बीमारी या वायरस न होने की पुष्टि के बाद ही इन्हें जलाशयों में छोड़ सकते थे।